छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

रायपुर

रायपुर, बुधवार 14 अक्टूबर 2026

वर्ष-07, अंक-286

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com

Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

सौरव दास-रांका का फोन पुलिस ने लिया, वकीलों से मिलने की भी इजाजत नहीं



नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने सौरव दास और आशुतोष रांका को हिरासत में लिए जाने पर सवाल उठाया है. साथ ही दिल्ली पुलिस पर उनके फोन जब्त करने औरद्ध वकील को मिलने की अनुमति न देने का दावा किया ह। अनुमति नहीं देने का भी आरोपदिल्ली पुलिस ने मंगलवार सुबह कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य शिंदे को हिरासत में लिया है. इन पर जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने के प्रयास का आरोप है। इस बीच CJP की लीगल हेड रत्ना सिंह ने इसे कानूनी अधिकारों का उल्लंघन बताया है और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाया है।

कांग्रेस ने तो CEC को मंत्री-राज्यपाल बनाया था', राहुल के आरोपों पर बोले पीयूष गोयल



नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को लेकर राहुल गांधी के बयानों पर पलटवार किया है। उन्होंने कांग्रेस पर संविधान के हर पहलू को ध्वस्त करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी का रवैया बचकाना है। पीयूष गोयल ने कहा कि कांग्रेस को अपना पुराना रिकॉर्ड याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने हमेशा चुनाव आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त तरीके से काम करने की पैरवी की है।केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने दावा किया कि मोदी सरकार ने किसी चुनाव आयुक्त को राजनीतिक पद नहीं दिया, जबकि कांग्रेस के शासनकाल में चुनाव आयुक्तों को सांसद और मंत्री बनाया गया।

150 ई-बसें, 13 नए एयर मॉनिटरिंग स्टेशन, 5 जगह ईवीचार्जिंग: दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ मेगा प्लान



नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार ने मंगलवार को 150 नई इलेक्ट्रिक बसें शुरू कींअ केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आनंद विहार अंतरराज्यीय बस अड्डे से बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना कियाअ इसके साथ ही दिल्ली में वायु गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए 13 नए मॉनिटरिंग स्टेशन भी शुरू किए गएअ इनके चालू होने से राजधानी में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशनों की संख्या बढ़कर 60 हो गई है।कार्यक्रम के दौरान आनंद विहार ISBT, नंद नगरी, रोहिणी सेक्टर-37, नांगलोई और केशोपुर में श्वङ्क चार्जिंग स्टेशनों का भी उद्घाटन परिवहन मंत्री डॉअ पंकज कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली में जमे रहेंगे सीएपीएफ के जवान! डेडलाइन बढ़ाने के लिए गृह मंत्रालय को लेटर



नई दिल्ली। पुलिस में संभावित विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती बढ़ाने की तैयारी है। दिल्ली पुलिस ने गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर 20 अक्टूबर तक की तैनाती जारी रखने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि दिल्ली में संवेदनशील स्थानों पर संभावित प्रदर्शनों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है।जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में CAPF की कुल 301 कंपनियों की तैनाती को मंजूरी मिली थी। इनमें से 221 कंपनियों को 6 अक्टूबर और 80 कंपनियों को 8 अक्टूबर में बनाए रखने का अनुरोध किया है।

कांग्रेस कर रही देश की साख को नुकसान पहुंचाने की कोशिश- केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी

लोकतांत्रिक अधिकारों का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



दिल्ली में विरोध प्रदर्शन को लेकर केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने हमला विपक्ष पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के नाम पर कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने जो नाटक किया है, उससे लोग नाराज हैं। राहुल गांधी, कांग्रेस, कम्युनिस्ट और दूसरे विपक्षी दल देश में अराजकता फैलाने के लिए संविधान से मिले

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वे सब मिलकर देश की साख को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। लोकतंत्र के नाम पर उनका व्यवहार बेहद शर्मनाक है। राहुल गांधी अपने पद की गरिमा भूल गए हैं और बहुत निचले स्तर पर उतर आए हैं। देश की जनता यह सब देख रही है। इससे पहले, उन्होंने लोकसभा स्पीकर के इस्तीफे की मांग करते हुए संसद में जबरदस्त हंगामा किया, जिससे वे मजाक का पात्र बन गए। फिर उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। अब वे गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं और कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, अजीत डोभाल और ऋस्स प्रमुख उनके निशाने पर हैं।

उन्होंने कहा कि उनका मकसद मोदी सरकार को गिराना है। एक विपक्षी पार्टी के तौर पर सरकार को सत्ता से हटाने का कोशिश करना में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन इस मकसद को पाने के लिए सभी नैतिक मूल्यों को ताक पर रख देना और देश की संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश करना निंदनीय है। अब कांग्रेस यह मांग कर रही है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश भी पद छोड़ दें क्योंकि अदालती फैसले उनके पक्ष में नहीं आए हैं। यह उस पार्टी की मानसिकता को दिखाता है जिसने 60 साल तक देश पर शासन किया। क्या जब भी कांग्रेस चुनाव हारे, तो चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए? क्या चुनाव आयुक्त और भारत के मुख्य न्यायाधीश का काम कांग्रेस की चुनावी जीत सुनिश्चित करना है?

मुख्यमंत्री श्री साय ने की मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन की उच्चस्तरीय समीक्षा

भविष्य की जरूरतों और आर्थिक विकास की प्राथमिकताओं के अनुरूप हो अधोसंरचना का निर्माण - मुख्यमंत्री

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



रायपुर। मजबूत अधोसंरचना किसी भी राज्य के दीर्घकालिक आर्थिक और सामाजिक विकास का आधार होती है। छत्तीसगढ़ में सड़क, भवन और अन्य सार्वजनिक अधोसंरचनाओं का निर्माण केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि आने वाले दशकों की जरूरतों, बढ़ती आबादी, औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों और बदलती तकनीक को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। राज्य में होने वाले प्रत्येक पूंजीगत निवेश का अधिकतम लाभ प्रदेश की अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों तक पहुंचे, यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। बैठक में अधोसंरचना विकास के लिए पूंजीगत व्यय की प्राथमिकताएं, परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन, सड़क नेटवर्क का दीर्घकालिक विकास, सार्वजनिक परिसंपत्तियों का रखरखाव, आधुनिक निर्माण तकनीक, विभागीय समन्वय और आगामी कार्ययोजना सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

पूंजीगत निवेश का आर्थिक और सामाजिक प्रभाव हो परियोजनाओं की प्राथमिकता का आधार

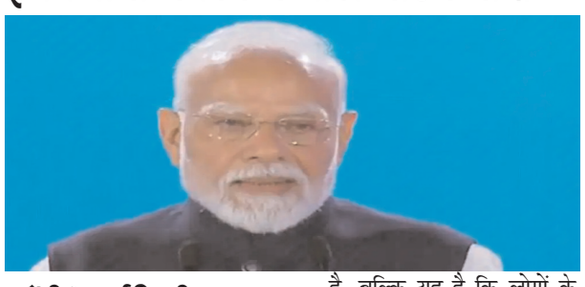
मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अधोसंरचना पर किया जाने वाला व्यय केवल निर्माण पर होने वाला खर्च नहीं, बल्कि प्रदेश के भविष्य में किया गया निवेश है। इसलिए परियोजनाओं का चयन करते समय यह आकलन किया जाना चाहिए कि संबंधित परियोजना से आवागमन, उद्योग, व्यापार, कृषि, पर्यटन, रोजगार और नागरिक सुविधाओं पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य के वित्तीय संसाधनों का उपयोग ऐसी परियोजनाओं में प्राथमिकता से किया जाए, जिनसे अधिक से अधिक नागरिकों को लाभ मिले, आर्थिक गतिविधियों का विस्तार हो और संबंधित क्षेत्र के विकास की नई संभावनाएं खुलें। परियोजनाओं की प्राथमिकता केवल तात्कालिक आवश्यकता के आधार पर तय न होकर उनके दीर्घकालिक आर्थिक और सामाजिक प्रभाव के आधार पर भी निर्धारित की जाए।

बजट से निर्माण तक हर चरण की तय हो समय-सीमा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी परियोजना के लिए बजट प्रावधान हो जाने मात्र से उद्देश्य पूरा नहीं होता। बजट में स्वीकृति मिलने के बाद परियोजना को धरातल पर समय से पूरा करना सबसे महत्वपूर्ण है। परियोजनाओं में देरी से उनकी लागत बढ़ती है और नागरिकों को मिलने वाला लाभ भी विलंबित होता है।

भारत दुनिया के लिए तरक्की करता है, कभी क्रेडिट नहीं लेताज ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में बोले पीएम मोदी



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पीएम मोदी ने ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में सशक्त बनाने की शक्ति का विजन पेश किया। उन्होंने कहा कि तकनीक, डेटा और ज्ञान केवल कुछ लोगों के बजाय करोड़ों को सशक्त बनाने का माध्यम बनें।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (13 अक्टूबर) को दिल्ली में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम को संबोधन किया। उन्होंने कहा कि वो 'पावर टू एम्पावर' (सशक्त बनाने की शक्ति) के विज़न के साथ ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमिक फ़ोरम में आए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि असली सवाल यह नहीं है कि शक्ति किसके पास है, बल्कि यह है कि लोगों के फायदे के लिए उसका इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है।फोरम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी, डेटा, ज्ञान और इनोवेशन शक्ति के स्रोत बनकर उभरे हैं। उन्होंने लाखों लोगों के लिए अवसर पैदा करने के लिए इनका इस्तेमाल करने की जरूरत पर जोर दिया।

'ब्लूमबर्ग ने सही समय पर सही जगह का चुनाव किया'

भारत में पहली बार इस फोरम की मेजबानी करने के फैसले का स्वागत करते

हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्लूमबर्ग के संस्थापक माइकल ब्लूमबर्ग ने सही समय पर सही जगह का चुनाव किया है।

बहनें नाराज हुईं तो खैर नहीं: लाडली बहना योजना पर शिवराज का बड़ा बयान

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना को लेकर कहा कि यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए शुरू की गई थी और कई राज्यों ने इसे अपनाया है।

मध्यप्रदेश की लाडली बहना योजना को लेकर केंद्रीय मंत्री और सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़ा बयान दिया है। रायसेन जिले के भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के बिनेका में आयोजित कार्यक्रम में शिवराज ने कहा कि उन्होंने बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए यह योजना शुरू की थी। उनके मुताबिक, मध्यप्रदेश में योजना शुरू होने के बाद कई अन्य राज्यों ने भी इसी तरह की योजनाएं लागू कीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी इस योजना को जारी रखा है और दूसरे राज्यों को भी इसे जारी रखना पड़ेगा, क्योंकि सभी जानते हैं कि बहनें नाराज हो गईं तो फिर खैर नहीं।कार्यक्रम के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना शुरू करने के

आतंकियों को पनाह न मिले', बिम्सटेक देशों से बोले अमित शाह

जम्मेदारी आपसी भरोसे और सहयोग को मजबूत करती है

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिम्सटेक देशों से आतंकवाद, फंडिंग, ड्रग्स तस्करी और संगठित अपराध पर लगाम लगाने के लिए खुफिया जानकारी साझा करने, प्रत्यर्पण और क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की अपील की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद, उसकी फंडिंग और संगठित अपराध से निपटने के लिए बिम्सटेक देशों से क्षेत्रीय सहयोग मजबूत करने की अपील की। मंगलवार को बिम्सटेक देशों के गृह मंत्रियों की पहली बैठक को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से यह सुनिश्चित करना होगा कि आतंकवादी संगठनों को क्षेत्र में पनाह न मिले और वे अपने ठिकाने, प्रशिक्षण केंद्र या वित्तीय नेटवर्क स्थापित न कर सकें।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त न करने की नीति पर चलता है। उन्होंने जोर दिया कि बिम्सटेक देशों की सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई है और प्रत्येक सदस्य देश की सुरक्षा व्यवस्था दूसरे सदस्य देशों की सुरक्षा में भी योगदान देती हैज्यही साझा जिम्मेदारी आपसी भरोसे और सहयोग को मजबूत करती है।

आतंकियों को संसाधन जुटाने से रोकने की अपील

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिम्सटेक देशों से आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ साझा संकल्प के साथ काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आतंकियों को किसी भी सदस्य देश में पनाह लेने, ठिकाने और प्रशिक्षण केंद्र बनाने, संसाधन जुटाने या दूसरे देशों के खिलाफ गतिविधियां संचालित करने से रोकना जरूरी है।

विदेश से हुई दिल्ली पुलिस की आलोचना, तो भड़के कपिल सिब्बल के भाई

नई दिल्ली। चुनाव आयोग की ओर से चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर गड़बड़ियों के आरोप लगे, जिसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष मुखर हो गया और उनके इस्तीफे की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश के तमाम हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के 100 पूर्व छात्रों ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में पुलिस की बर्बरता, गैर-कानूनी हिरासत और सभी शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन÷ की निंदा करते हुए एक बयान जारी किया है। हावर्ड के इन पूर्व छात्रों की ओर से जारी किए गए बयान पर मशहूर वकील कपिल सिब्बल के भाई कंवल सिब्बल ने पलटवार किया है। उन्होंने इसमें विदेशी हाथ बताया।उन्होंने एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'विदेशी हाथ साफ नजर आ रहा है। यह प्रदर्शनकारियों के साथ मिलकर की जा रही बाहरी लामबंदी का ही एक हिस्सा है। हार्वर्ड के पूर्व छात्र इन अराजक प्रदर्शनों में क्यों शामिल हो रहे हैं?' दरअसल, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्रों ने सीनियर वकील शादान फरासत (2009 हार्वर्ड लॉ स्कूल के पूर्व छात्र) के साथ एकजुटता दिखाई है।

मेक इन इंडिया को मिलेगा बढ़ावा

भारत-चेक रिपब्लिक के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चेक रिपब्लिक के उप प्रधानमंत्री कारेल हवलीचेक ने रक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों देशों ने संयुक्त रक्षा समिति के माध्यम से सहयोग मजबूत करने पर भी चर्चा की।

चेक रिपब्लिक के उप प्रधानमंत्री और उद्योग एवं व्यापार मंत्री कारेल हवलीचेक चार दिवसीय भारत दौरे पर हैं। अपने दौरे के दूसरे दिन उन्होंने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों पक्षों ने रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। साथ ही दोनों देशों के बीच स्थापित संयुक्त उपक्रमों की प्रगति पर संतोष जताया।

बैठक के बाद राजनाथ सिंह का 'एक्स' पर पोस्ट

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक के बाद 'एक्स' पर लिखा, 'आज नई दिल्ली में चेक रिपब्लिक केउप प्रधानमंत्री कारेल हैवलिसेक के साथ एक शानदार मीटिंग हुई। हमने डिफेंस इंडस्ट्रियल कोऑपरेशन के पूरे स्पेक्ट्रम का रिव्यू किया और हमें अलग-अलग जॉइंट वेंचर्स की प्रोग्रेस और सक्सेस देखकर खुशी हुई। हम आत्मनिर्भर भारत को प्रमोट करने के लिए इंडिया-चेक जॉइंट डिफेंस कमेटी के अंडर इस कोलेबोरेशन को और बढ़ाने पर भी सहमत हुए।'

न्यूज इन शॉर्ट

सेवा की कहानी ः नए शाला भवन निर्माण से अब गांव में ही मिलेगी बेहतर शिक्षा

महासमुंद। शिक्षा किसी भी समाज के विकास की मजबूत नींव होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने से बच्चों को आगे बढ़ने के नए अवसर मिलते हैं। इसी दिशा में महासमुंद जिले के विकासखंड बागबाहरा अंतर्गत ग्राम छुईहा में 75.23 लाख रुपए की लागत से शासकीय हाई स्कूल भवन का निर्माण पूर्ण किया गया है। इस भवन के बनने से गांव के विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर हाई स्कूल की सुविधा उपलब्ध होगी। लोक निर्माण विभाग ने बताया कि ग्राम छुईहा में शासकीय हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य 3 नवंबर 2025 को प्रारंभ हुआ था, जिसे 1 सितंबर 2026 को पूर्ण कर लिया गया। जिसकी कुल लागत 75.23 लाख रुपए है।

ग्राम छुईहा में हाई स्कूल की सुविधा नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए दूरस्थ अंचल स्थित ग्राम भुरकोनी एवं अन्य स्थानों के हाई स्कूलों में जाना पड़ता था। इससे विद्यार्थियों को प्रतिदिन आवागमन में परेशानी होती थी। अब गांव में ही हाई स्कूल भवन का निर्माण पूर्ण होने से विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए बेहतर स्थानीय सुविधा उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

ग्राम छुईहा के ग्रामीणों ने कहा कि स्थानीय स्तर पर हाई स्कूल की सुविधा उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई जारी रखने में सहूलियत मिलेगी। साथ ही हम अभिभावकों को भी बच्चों की शिक्षा के लिए दूरस्थ विद्यालयों पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने कहा कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सार्थक साबित होगा। इसके लिए उन्होंने शासन एवं जिला प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

'प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से गांव में ही शुरू किया स्वरोजगार'

रायपुर। ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार से जोड़ने और स्थानीय स्तर पर आय के अवसर बढ़ाने के लिए संचालित पहलें लोगों को आत्मनिर्भर बनने में मदद कर रही हैं। संसदीय संकुल विकास परियोजना के तहत मिले प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से बलरामपुर जिला के रामचन्द्रपुर विकासखंड के ग्राम धौली निवासी श्री शिवकुमार ने मुर्गी एवं बकरी पालन शुरू किया। आज वे इस काम से हर महीने 10 से 15 हजार रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं।

पहले श्री शिवकुमार के परिवार की जरूरतें सीमित आय में पूरी करना चुनौतीपूर्ण था। इसी दौरान उन्हें संसदीय संकुल विकास परियोजना की जानकारी मिली। परियोजना के माध्यम से उन्होंने मुर्गी और बकरी पालन का प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण में पशुओं की देखभाल, पोषण, रोगों से बचाव और बेहतर प्रबंधन की जानकारी दी गई।

सीखी हुई बातों को अपनाकर श्री शिवकुमार ने गांव में ही पशुपालन शुरू किया। मेहनत और नियमित देखभाल से उनका काम आगे बढ़ा और इससे होने वाली आय परिवार के लिए आर्थिक सहारा बनी। अब वे घरेलू आवश्यकताओं के साथ बच्चों की पढ़ाई में भी योगदान दे पा रहे हैं।

श्री शिवकुमार की पहल दिखाती है कि प्रशिक्षण और सही मार्गदर्शन से स्थानीय स्तर पर भी स्वरोजगार के अवसर तैयार किए जा सकते हैं। उनकी सफलता से गांव के अन्य लोग भी मुर्गी एवं बकरी पालन को आजीविका के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ऐसे प्रयास ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आय बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।

त्योहारी सीजन में मिलावटी खाद्य पदार्थों पर रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग का सघन निरीक्षण अभियान जारी

जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से 12 नमूने संकलित, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता की जांच पर विशेष जोर

संवाददाता ➤ रायपुर



नवरात्र पर्व एवं त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए जिले में आम नागरिकों को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा विशेष सघन प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही 'हर लेबल कुछ कहता है' अभियान के अंतर्गत उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, पैकेजिंग, निर्माण एवं समाप्ति तिथि सहित अन्य आवश्यक जानकारियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण कर खाद्य सामग्री के नमूने संकलित किए जा रहे हैं। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री दीपक घृतलहरे द्वारा किराना दुकानों, जनरल स्टोर्स एवं खाद्य सामग्री विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है।

चार दिनों में विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण, 12 खाद्य नमूने संकलित

अभियान के अंतर्गत 7 अक्टूबर को खैरागढ़ के जयस्तंभ चौक स्थित मेसर्स भगवती किराना स्टोर्स का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मैगी, ओट्स एवं फॉर्च्यून रिफाइंड सूरजमुखी खाद्य तेल के तीन विधिक नमूने संकलित किए गए। इसी क्रम में 8 अक्टूबर को बाजार अतरिया क्षेत्र स्थित मेसर्स जीतू डेली नीड्स एवं जनरल स्टोर्स का निरीक्षण कर पतंजलि काजू बिस्किट का एक विधिक नमूना तथा स्पेशल सूजी टोस्ट का एक सर्विलांस नमूना लिया गया।इसके पश्चात 9 अक्टूबर को कलेक्टोरेट परिसर स्थित गढ़ कलेवा का निरीक्षण किया गया। यहां से समोसा एवं साबूदाना बड़ा के दो सर्विलांस नमूने संकलित किए गए। वहीं 12 अक्टूबर को खैरागढ़ के गोलबाजार क्षेत्र स्थित मेसर्स न्यू फेमस बाजार का निरीक्षण कर फलाहार में उपयोग होने वाली इंस्टेंट इडली, सिंघाड़ा आटा एवं साबूदाना के तीन विधिक नमूने तथा खम्मन ढोकला आटा का एक सर्विलांस नमूना संकलित किया गया।

इस प्रकार अभियान के दौरान विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से कुल 12 नमूने संकलित किए गए हैं, जिनमें आठ विधिक एवं चार सर्विलांस नमूने शामिल हैं। संकलित नमूनों की गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप परीक्षण की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

मुर्गी-बकरी पालन से मजबूत हुई शिवकुमार की आमदनी, हर माह कमा रहे 10-15 हजार रुपये'

'प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से गांव में ही शुरू किया स्वरोजगार'

'सेवा की कहानी' ः 'मुर्गी-बकरी पालन से मजबूत हुई शिवकुमार की आमदनी, हर माह कमा रहे 10-15 हजार रुपये'

संवाददाता ➤ रायपुर



ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार से जोड़ने और स्थानीय स्तर पर आय के अवसर बढ़ाने के लिए संचालित पहलें लोगों को आत्मनिर्भर बनने में मदद कर रही हैं। संसदीय संकुल विकास परियोजना के तहत मिले प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से बलरामपुर जिला के रामचन्द्रपुर विकासखंड के ग्राम धौली निवासी श्री शिवकुमार ने मुर्गी एवं बकरी पालन शुरू किया। आज वे इस काम से हर महीने 10 से 15 हजार रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं।

पहले श्री शिवकुमार के परिवार की जरूरतें सीमित आय में पूरी करना चुनौतीपूर्ण था। इसी दौरान उन्हें संसदीय संकुल विकास परियोजना की जानकारी मिली। परियोजना के माध्यम से उन्होंने मुर्गी और बकरी पालन का प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण में पशुओं की देखभाल, पोषण, रोगों से बचाव और बेहतर प्रबंधन की जानकारी दी गई।

सीखी हुई बातों को अपनाकर श्री शिवकुमार ने गांव में ही पशुपालन शुरू किया। मेहनत और नियमित देखभाल से उनका काम आगे बढ़ा और इससे होने वाली आय परिवार के लिए आर्थिक सहारा बनी। अब वे घरेलू आवश्यकताओं के साथ बच्चों की पढ़ाई में भी योगदान दे पा रहे हैं।

श्री शिवकुमार की पहल दिखाती है कि प्रशिक्षण और सही मार्गदर्शन से स्थानीय स्तर पर भी स्वरोजगार के अवसर तैयार किए जा सकते हैं। उनकी सफलता से गांव के अन्य लोग भी मुर्गी एवं बकरी पालन को आजीविका के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ऐसे प्रयास ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आय बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।

जनसुनवाईः कलेक्टर ने गंभीरता से सुनीं लोगों की समस्याएं, आवेदनों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के दिए निर्देश

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही



कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने आज कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में 23 लोगों ने अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने एक-एक कर सभी आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदनों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए। उन्होंने शिकायत संबंधी आवेदनों की निष्पक्ष जांच कर तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों का निराकरण संबंधित न्यायालय द्वारा ही किया जाएगा। जनसुनवाई में मानदेय भुगतान, निर्माण कार्यों पर रोक लगाने, भूमि नामांतरण एवं सीमांकन, आर्थिक सहायता, पैतृक भूमि पर अनावेदकों द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य पर रोक लगाने, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण में अनियमितता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन का भुगतान रुकने सहित विभिन्न समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने आवेदकों को उनकी समस्याओं की जांच कर नियमानुसार उचित कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया।

साथ ही पेंशन योजना में नया खाता नंबर दर्ज करवाने की प्रक्रिया पूरी कराई

पार्षद राहुल भाई पटेल के प्रयास से बसमतिया को मिला 37 महीने का रुका हुआ वृद्धावस्था पेंशन, खाते में आए 18,500

संवाददाता ➤ एमसीबी



नगरपालिक निगम चिरमिरी के वार्ड क्रमांक 34 के पार्षद श्री राहुल भाई पटेल के प्रयासों से आमनाला निवासी 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला बसमतिया को 37 महीने से बंद वृद्धावस्था पेंशन की राशि एकमुश्त ?18,500 प्राप्त हुई है। लंबे समय से पेंशन नहीं मिलने के कारण उन्हें जीवनयापन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बैंक खाते में नाम की मात्रा में त्रुटि होने के कारण बसमतिया की पेंशन बंद हो गई थी। समस्या की जानकारी मिलने पर पार्षद राहुल भाई पटेल ने बैंक पहुंचकर त्रुटि सुधारने का प्रयास किया, लेकिन बैंक खाते में सुधार नहीं हो सका। इसके बाद उन्होंने आधार कार्ड में आवश्यक सुधार करवाया और नया बैंक खाता खुलवाने में सहयोग किया। साथ ही पेंशन योजना में नया खाता नंबर दर्ज करवाने की प्रक्रिया पूरी कराई। इन प्रयासों के बाद 37 महीने से लंबित पेंशन की राशि 18,500 सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कुरासिया शाखा के माध्यम से उनके खाते में प्राप्त हुई। इस कार्य में बैंक के शाखा प्रबंधक श्री अभिषेक कुमार का विशेष सहयोग रहा। साथ ही निगम प्रशासन ने भी आवश्यक प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया। लंबे समय बाद पेंशन की राशि मिलने पर बुजुर्ग बसमतिया ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस राशि से उन्हें अपने दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने इस सहयोग के लिए पार्षद राहुल भाई पटेल के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं, वार्डवासियों ने भी एक बुजुर्ग महिला की समस्या का समाधान कराने के लिए पार्षद के प्रयासों की सराहना की। पार्षद राहुल भाई पटेल ने कहा कि जरूरतमंदों, बुजुर्गों और असहाय लोगों की समस्याओं का समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है। शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचना चाहिए, ताकि किसी भी बुजुर्ग को छोटी-सी तकनीकी या दस्तावेजी त्रुटि के कारण अपने अधिकार से वंचित न रहना पड़े।

मन जागृति अभियान के तहत स्कूली बच्चों ने इमोजी से व्यक्त की मन की बात, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति हुए जागरूक

बहरासी, जमथान, बरेल एवं मेंडा के विद्यालयों में आयोजित हुई गतिविधियां, बच्चों को भावनाएं समझने और खुलकर संवाद करने का दिया संदेश

संवाददाता ➤ एमसीबी



विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जिले में 10 से 16 अक्टूबर 2026 तक संचालित मन जागृति अभियान के तहत मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड भरतपुर के बहरासी, जमथान एवं बरेल तथा विकासखंड खड़गवां के मेंडा स्थित विद्यालयों में स्कूली बच्चों के लिए ÷इमोजी से मन की बात÷ गतिविधि आयोजित की गई। इस अभिनव पहल के माध्यम से बच्चों को अपनी भावनाओं को पहचानने, उन्हें सहजता से व्यक्त करने तथा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया गया।

इमोजी के जरिए बच्चों ने साझा की अपनी भावनाएं

गतिविधि के दौरान बच्चों को खुशी, उदासी, चिंता, गुस्सा सहित विभिन्न भावनाओं को दर्शाने वाले इमोजी के माध्यम से अपनी मन स्थिति व्यक्त करने का अवसर दिया गया। बच्चों ने अपनी वर्तमान भावनाओं के अनुरूप इमोजी का चयन कर शिक्षकों एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ अपने विचार साझा किए। इस दौरान उन्हें बताया गया कि खुशी, दुख, गुस्सा और चिंता जैसी सभी भावनाएं जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं। किसी भी प्रकार के मानसिक तनाव, परेशानी या उदासी की स्थिति में अपनी भावनाओं को दबाने के बजाय माता-पिता, शिक्षकों अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति से खुलकर बातचीत करनी चाहिए। इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों में भावनात्मक समझ विकसित करने के साथ उन्हें यह विश्वास दिलाना था कि अपनी परेशानियों को साझा करना कमजोरी नहीं, बल्कि मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य उनके समग्र विकास का महत्वपूर्ण आधार- डॉ. खरे

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि बच्चों एवं किशोरों का मानसिक स्वास्थ्य उनके शारीरिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास से सीधे जुड़ा हुआ है। वर्तमान समय में पढ़ाई का दबाव, परीक्षा का तनाव, मोबाइल का अत्यधिक उपयोग तथा अन्य सामाजिक परिस्थितियां बच्चों की मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में विद्यालय स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जागरूकता गतिविधियों का आयोजन अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि इमोजी जैसी सरल एवं रोचक गतिविधियों के माध्यम से बच्चे अपनी भावनाओं को आसानी से समझ और व्यक्त कर सकते हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ने के साथ तनावपूर्ण परिस्थितियों का सामना करने तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित सहायता प्राप्त करने की समझ विकसित होती है।

सप्ताह भर विविध गतिविधियों से दिया जा रहा मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

मन जागृति अभियान के अंतर्गत जिले के स्वास्थ्य संस्थानों, विद्यालयों एवं सामुदायिक स्तर पर 10 से 16 अक्टूबर तक विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें मानसिक स्वास्थ्य शपथ, रंगोली प्रतियोगिता, जागरूकता रैली, इमोजी मूड बोर्ड, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता जैसी गतिविधियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त किशोरों के साथ परीक्षा के तनाव, मोबाइल के अत्यधिक उपयोग, भावनात्मक समस्याओं तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद किया जा रहा है। स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के लिए विशेष मानसिक स्वास्थ्य सत्र, पुलिस एवं आपातकालीन सेवा कर्मियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम तथा परिवार एवं समुदाय के साथ चर्चा के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के दौरान मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की प्रारंभिक पहचान, समय पर परामर्श उपलब्ध कराने तथा आवश्यकता के अनुसार संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों में रेफरल की व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद व्यक्तियों को उचित उपचार एवं सहायता मिल सके। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी भ्रांतियों और सामाजिक संकोच को दूर करना अभियान का उद्देश्य जिला नोडल अधिकारी, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ. नम्रता चक्रवर्ती ने बताया कि मन जागृति अभियान का प्रमुख उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना तथा इससे जुड़ी भ्रांतियों और सामाजिक संकोच को दूर करना है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को छिपाने के बजाय समय रहते विशेषज्ञों से परामर्श लेना आवश्यक है। जागरूकता एवं समय पर सहायता के माध्यम से अनेक मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का प्रभावी प्रबंधन किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आम नागरिकों को निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य परामर्श एवं सहायता उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय टेली-मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद व्यक्ति घर बैठे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें।

स्वास्थ्य विभाग एवं विद्यालय प्रबंधन के समन्वय से हो रहा आयोजन

जिले में मन जागृति अभियान के अंतर्गत आयोजित गतिविधियां मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन, जिला नोडल अधिकारी डॉ. नम्रता चक्रवर्ती के समन्वय तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिशिर जायसवाल के सहयोग से संचालित की जा रही हैं। संबंधित विकास खंडों के खंड चिकित्सा अधिकारियों के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों एवं विद्यालय प्रबंधन के सहयोग से कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मन जागृति अभियान के माध्यम से बच्चों, किशोरों एवं आम नागरिकों को यह संदेश दिया जा रहा है कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है।

देवगढ़ गांव बनेगा सोलर युक्त ग्राम, कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने दिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक हुई सम्पन्न

संवाददाता ➤ एमसीबी

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, लंबित प्रकरणों, जनशिकायतों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आम जनता से जुड़ी शिकायतों और लंबित मामलों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समय-सीमा में करें निराकरण

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत एल-1, एल-2 एवं एल-3 स्तर पर लंबित शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों को केवल औपचारिक रूप से बंद करने के बजाय उनका गंभीरता से परीक्षण किया जाए और आवेदकों को वास्तविक, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए। शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब करने तथा जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्यमंत्री जनदर्शन, प्रधानमंत्री पोर्टल, कलेक्टर जनदर्शन, पारस पोर्टल तथा लोक सेवा केंद्र से संबंधित लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को पोर्टल पर आवश्यक जानकारी समय-सीमा में अपडेट करने, लंबित मामलों की नियमित निगरानी करने तथा प्रत्येक प्रकरण में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।

स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के निर्देश

कलेक्टर ने अस्पताल में बच्चों के वार्ड और चिकित्सकों के कक्ष से संबंधित आवश्यक निर्माण एवं सुधार कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने के लिए लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया। उधनापुर में पेयजल की समस्या के समाधान के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। इसके साथ ही स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और अस्पतालों में जरूरी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने तथा अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए। पोषण पुनर्वास केंद्र के शेष कार्यों को पूर्ण करने और स्कूली बच्चों को निर्धारित समय पर मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

धान खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करें आगामी धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को धान खरीदी केंद्रों में साफ-सफाई, बिजली, पेयजल, शौचालय और किसानों के बैठने के लिए छायादार स्थान की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं।

इसके साथ ही उन्होंने कदरेवा, देवाडांड और उधनापुर के धान खरीदी केंद्रों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण की आवश्यकता पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा केंद्रों में बायोमेट्रिक व्यवस्था, कंप्यूटर कक्ष और अन्य जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा

न्यूज इन शॉर्ट

परिवार को मिला सुरक्षित आश्रय, बेहतर रहन-सहन की राह हुई आसान

जांजगीर-चांपा। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पात्र ग्रामीण परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराकर उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिल रहा है। इसी कड़ी में जनपद पंचायत अकलतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत कटघरी निवासी श्रीमती जया बाई का पक्के घर का सपना साकार हुआ है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित पक्का मकान श्रीमती जया बाई के परिवार के लिए सुरक्षित आश्रय बना है। पक्का घर होने से परिवार को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से सुरक्षा मिल रही है और रहन-सहन पहले से अधिक सुविधाजनक हुआ है। अपने घर का सपना पूरा होने से परिवार को सुरक्षित वातावरण मिला है, जो बेहतर जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का उद्देश्य पात्र ग्रामीण परिवारों को बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्का आवास उपलब्ध कराना है। योजना से मिलने वाला यह लाभ परिवार के वर्तमान को बेहतर बनाने के साथ ही सुरक्षित भविष्य की उम्मीद भी मजबूत करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर आभार जताया है।

बीएसपी लोहा चोरी पर ट्रांसपोर्टरों का पलटवार, बताया साजिश, जांच की मांग

दुर्ग-भिलाई के छावनी क्षेत्र स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में कबाड़ी के गोदाम में भारी मात्रा में सेल लिखी रेल पटरियों के मिलने के मामले में ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने उनकी छवि खराब करने का आरोप लगाया हैअ भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने कड़ा ऐतराज जताते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

गोदाम में मिला बीएसपी का लोहा

दरअसल भिलाई के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक कबाड़ी गोदाम में पुलिस की कार्रवाई के बाद बीएसपी से जुड़े लोहे की बरामदगी का मामला सामने आया थाअ इसके बाद ट्रांसपोर्टिंग से जुड़े लोगों और गाड़ियों को लेकर भी सवाल उठने लगेअ अब इसी को लेकर भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने अपना पक्ष सामने रखा है।

मेरी गाड़ी बीएसपी प्लांट से माल लोड की और नागपुर के लिए रवाना हुई, जिस जगह दिखाया गया वो आम रास्ता हैअ ड्राइवर रात को गाड़ी वहां खड़ा करता और फिर सुबह निकलता हैअ इनवाइस के अनुसार माल लोड और डिलोड किया गयाअ साजिश के तहत बदनाम किया जा रहा हैअ अंदर कई कैमरे लगे हुए हैंअ काफी चेकिंग होती है - जोगा राव, कोषाध्यक्ष, ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन

ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने बताया साजिश

एसोसिएशन के महासचिव मलकीत सिंह उर्फ लल्लू सिंह ने कहा कि बीएसपी में सीआईएसएफ की कड़ी निगरानी, गेट चेकिंग और जांच की व्यवस्था हैअ ऐसे में प्लांट के भीतर से लोहा चोरी होने की बात को सीधे ट्रांसपोर्टरों से जोड़ना उचित नहीं हैअ उन्होंने दावा किया कि आज तक एसोसिएशन की किसी भी गाड़ी को चोरी करते या सेल का लोहा बेचते हुए नहीं पकड़ा गया हैअ उनका आरोप है कि बिना जांच-पड़ताल एसोसिएशन का नाम इस पूरे मामले में घसीटा जा रहा है।

ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने की जांच की मांग

मलकीत सिंह ने यह भी कहा कि पांडेय कबाड़ी के यहां मिला सेल का लोहा अधिकृत ट्रेडर्स के गोदामों से दूसरे राज्यों में जाने वाली गाड़ियों से चोरी होने की आशंका से भी जांच की जानी चाहिएअ उन्होंने कहा कि एसोसिएशन हर तरह की चोरी का विरोध करता है और जो भी दोषी हो, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

एसोसिएशन का कहना है कि उनकी गाड़ियों में बीएसपी से जितना माल लोड हुआ, उतना ही संबंधित डिलीवरी प्वाइंट तक पहुंचाया गयाअ उनका आरोप है कि ड्राइवरों द्वारा वाहन खड़ा करने के दौरान ली गई तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल कर गलत तरीके से पूरे मामले से जोड़ा गया।

वीआईपी सुरक्षा के लिए रायपुर पुलिस की बड़ी पहल, 70 जवानों ने पूरा किया विशेष प्रशिक्षण

सिक्योरिटी ऑफिसर (पीएसओ) प्रशिक्षण कार्यशाला का सोमवार को समापन हुआ।

संवाददाता ➤ रायपुर

राजधानी रायपुर में वीआईपी और वीवीआईपी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा आयोजित चार दिवसीय पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (पीएसओ) प्रशिक्षण कार्यशाला का सोमवार को समापन हुआ। पुलिस ट्रांजिट मेस, पुलिस लाइन रायपुर में 9 से 12 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रशिक्षण में कुल 70 महिला एवं पुरुष जवानों ने निर्धारित मानकों के अनुसार सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया। समापन कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित तुकाराम कांबले, पुलिस उपायुक्त तारकेश्वर पटेल, सहायक पुलिस आयुक्त निलेश कुमार द्विवेदी और रक्षित निरीक्षक अनीश सारथी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ की राजधानी होने के कारण रायपुर में प्रतिदिन वीआईपी, वीवीआईपी, केंद्रीय



मंत्रियों और अन्य राज्यों के विशिष्ट अतिथियों का आगमन होता है। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वीआईपी सुरक्षा में सतर्कता, अनुशासन, शारीरिक दक्षता, मानसिक सजगता और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता आवश्यक है। सुरक्षा ड्यूटी के दौरान छोटी चूक भी गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकती है। उन्होंने जवानों को नियमित अभ्यास और पूरी जिम्मेदारी के साथ कर्तव्य निभाने के निर्देश दिए।

86 जवान नामांकित, 70 हुए सफल

चार दिवसीय कार्यशाला के लिए कुल 86 महिला एवं पुरुष जवानों को नामांकित किया गया था। इनमें नौ प्रशिक्षु शारीरिक दक्षता के निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतर सके। शेष 77 जवानों ने इनडोर और आउटडोर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके बाद सभी ने 9 एमएम पिस्टल से फायरिंग का अभ्यास किया। निर्धारित 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की अनिवार्यता के कारण सात प्रशिक्षु सफल नहीं हो सके। इस प्रकार कुल 70 जवानों ने प्रशिक्षण पूरा किया।

फायरिंग से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक दिया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण के दौरान जवानों को पॉइंट शूटिंग, ड्राई प्रैक्टिस, वन-मैन और टू-मैन पीएसओ की कार्यप्रणाली तथा स्क्वाड ड्रिल का अभ्यास कराया गया। इसके अलावा वीआईपी की सुरक्षा, संभावित खतरों के दौरान प्रतिक्रिया, निवास और कार्यालय की सुरक्षा, एडवांस सिक्योरिटी लाइजन, एंटी-सबोटाज चेकिंग, एक्सेस कंट्रोल, सभा स्थल, रोड शो और कारकेड व्यवस्था की जानकारी दी गई। कार्यशाला का संचालन सहायक पुलिस आयुक्त निलेश द्विवेदी के पर्यवेक्षण में हुआ। प्रशिक्षण में पुलिस लाइन और वीआईपी सुरक्षा वाहिनी के अनुभवी प्रशिक्षकों ने जवानों को व्यावहारिक जानकारी दी।

आत्महत्या के बाद परिजनों ने उठाए सवाल

स्कूल के सामने धू-धू कर जली क्रेटा कार, देखते ही देखते हुई खाक

संवाददाता ➤ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में सोमवार सुबह एक क्रेटा कार में अचानक आग लगने की घटना सामने आई है। रेलवे क्षेत्र स्थित डीआरएम कार्यालय के पास लिटिल वाणी स्कूल के सामने खड़ी कार में देखते ही देखते आग भड़क उठी। कुछ ही देर में आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया और कार जलकर खाक हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।जानकारी के अनुसार, कार मालिक मनीष गोयल अपने बच्चों को स्कूल से लेने पहुंचे थे। उन्होंने अपनी क्रेटा कार स्कूल के सामने खड़ी की थी। इसी दौरान अचानक कार के बोनट से धुआं निकलने लगा। शुरुआत में धुआं दिखाई दिया, लेकिन कुछ ही देर में आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग इतनी तेजी से फैली कि पूरी कार उसकी चपेट में आ गई।

बोनट से निकला धुआं, फिर धू-धू कर जलने लगी कार

बताया जा रहा है कि कार के बोनट से अचानक धुआं निकलने के बाद आग भड़क गई। आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप ले लिया। कार को जलता देखकर आसपास मौजूद लोगों में चिंता फैल गई। स्कूल के सामने हुई इस घटना ने वहां मौजूद लोगों का ध्यान खींचा। आग इतनी तेजी से फैली कि दमकल के पहुंचने तक कार का बड़ा हिस्सा जल चुका था। कार मालिक के सामने ही उनकी गाड़ी आग की चपेट में आ गई। हालांकि, घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई है।घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग को जानकारी दी गई। इसके बाद दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक कार को काफी नुकसान पहुंच चुका था। स्कूल के सामने खड़ी गाड़ी में अचानक आग लगने की घटना से आसपास मौजूद लोग चिंतित हो गए। घटना के समय स्कूल के आसपास लोगों की आवाजाही भी थी।

छत्तीसगढ़ में जन्नत एक्ट्रेस सोनल चौहान, बढ़ाई गरबा उत्सव की रौनक

संवाददाता ➤ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में डांडिया की खनकती ताल, पारंपरिक परिधानों की रंगीन छटा और बॉलीवुड का ग्लैमर देखने को मिला। पंखीड़ा सीजन-4 के पहले दिन सोमवार को कुछ ऐसा ही नजारा रहा। रायपुर रोड स्थित फॉर्च्यून एलिमेंट्स के महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित गरबा उत्सव में एक्ट्रेस सोनल चौहान की मौजूदगी आकर्षण का केंद्र रही। मंगलवार को इस आयोजन में एक्टर रवि किशन शिरकत करेंगे।

प्रजाराज्यम् की ओर से आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद गरबा और डांडिया की धुनों पर प्रतिभागियों ने कदम मिलाए। पारंपरिक परिधानों में सजे महिला-पुरुष और बच्चे गोल घेरे में गरबा करते नजर आए। कहीं युवाओं की टोलियां उत्साह के साथ डांडिया खेलती दिखीं, तो कहीं परिवार की कई पीढ़ियां एक साथ गरबा करती नजर आईं।पंखीड़ा की पहली शाम एक्ट्रेस सोनल चौहान की मौजूदगी आकर्षण का केंद्र रही। उनके आने से आयोजन में बॉलीवुड का रंग नजर आया। कार्यक्रम में नगर विधायक अमर अग्रवाल सहित अन्य अतिथि भी शामिल हुए। संगीत, रोशनी और रंग-बिरंगे परिधानों के बीच गरबा प्रेमियों का उत्साह देर तक बना रहा।पंखीड़ा के दूसरे दिन मंगलवार, 13 अक्टूबर को एक्टर रवि किशन शिरकत करेंगे। उनके आगमन को लेकर लोगों में उत्सुकता है। हिंदी और भोजपुरी सिनेमा में अपनी पहचान बना चुके रवि किशन दमदार संवाद और देसी अंदाज के लिए जाने जाते हैं। आयोजकों ने पहले ही उनके आने की घोषणा की थी। पहले दिन सोनल चौहान की मौजूदगी के बाद अब लोगों की निगाहें दूसरे दिन के कार्यक्रम पर टिकी हैं।

आत्महत्या के बाद परिजनों ने उठाए सवाल

पंखीड़ा की पहली शाम में फिल्मी सितारों के ग्लैमर के साथ पारंपरिक गरबा का रंग भी देखने को मिला। एक ओर फिल्मी सितारों की मौजूदगी ने आयोजन को आकर्षक बनाया, तो दूसरी ओर डांडिया की ताल पर थिरकते परिवारों ने उत्सव का माहौल बनाया।पंखीड़ा में अलग-अलग आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी खास रही। बच्चे, युवा और बुजुर्ग पारंपरिक परिधानों में गरबा करते नजर आए।

रामानुजगंज में शारदीय नवरात्रि, 5100 दीपों से बनाई ओम की आकृति

रामानुजगंज के गांधी मैदान में भव्य दीपोत्सव के साथ ही मां दुर्गा के स्वरूपों का पूजन अर्चन किया गया

संवाददाता ➤ बलरामपुर

रामानुजगंज में शारदीय नवरात्रि पर शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की पूजा अराधना हो रही हैअ माता के मंदिरों में विशेष पूजा हो रही हैअ बड़े बड़े दुर्गा पंडाल बनाए गए हैंअ नवरात्रि के दूसरे दिन सोमवार को शहर में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।शारदीय नवरात्र पर रामानुजगंज शहर के बीच स्थित गांधी मैदान में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें दीयों से ? की आकृति बनाई गईअ साथ ही शक्ति स्वरूपा नौ देवियों के स्वरुप की पूजा अर्चना की गईअ इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।



नौ देवियों के स्वरूप का हुआ पूजन

रामानुजगंज में भव्य दीपोत्सव के साथ ही शहर के विभिन्न दुर्गा पूजा समिति के वार्डों से पहुंची नौ देवियों के स्वरुप कन्याओं का पूजन कर उनकी आरती उतारी गईअ स्थानीय महिलाओं ने नव दुर्गा की पूजा अर्चना की।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के फ्रेंचाइजीस और टीमों का ऐलान, सभी टीमों की जर्सी लॉन्च

संवाददाता ➤ रायपुर



भारत के सबसे प्रतिष्ठित और सफल फील्ड हॉकी खिलाड़ियों में से एक सरदार सिंह को छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन का लीग एंबेसडर घोषित किया गया है। राज्य सरकार द्वारा आयोजित भारत की पहली हॉकी लीग, छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का उद्घाटन सीजन 21 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक राजधानी रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में आज रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित एक कार्यक्रम में लीग की छह फ्रेंचाइज़ीस और टीमों का ऐलान किया गया। ड्रा के जरिए फ्रेंचाइजीस को टीमों के आबंटन के साथ ही सभी टीमों की जर्सी भी लॉन्च की गई। टीम ड्रॉ के माध्यम से प्रत्येक फ्रेंचाइज़ी को 22 खिलाड़ियों का दल और एक मुख्य कोच आबंटित किया गया।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम में कहा, ÷छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन के लिए सरदार सिंह जैसी प्रतिष्ठित शख्सियत को लीग एंबेसडर बनाना हमारे युवा खिलाड़ियों को सही संसाधन और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वह भारत के सबसे प्रतिष्ठित हॉकी खिलाड़ियों में से एक हैं और उनकी विशेषज्ञता से इस लीग को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। साव ने जमीनी स्तर पर छत्तीसगढ़ में हॉकी को प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने के लिए लीग और फ्रेंचाइज़ी टीमों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी के महत्व पर जोर देते हुए कहा, ÷मैं उन छह टीम मालिकों और प्रायोजकों का हार्दिक स्वागत करता हूं, जिन्होंने हमारे खेल का समर्थन करने और इसमें निवेश करने का निर्णय लिया है। हॉकी को बढ़ावा देने के लिए उनका दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प सराहनीय है।

राज्य में हॉकी के पुनरुत्थान की इस महत्वपूर्ण पहल में सरकार के साथ साझेदारी के लिए मैं उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं।छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के लीग एंबेसडर सरदार सिंह ने कहा, ÷एक पूर्व खिलाड़ी और अब हॉकी इंडिया के साथ कोच के रूप में मैंने छत्तीसगढ़ में खेलों के विकास को करीब से देखा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षा राज्य को एक खेल राज्य के रूप में विकसित करने की है। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग की शुरुआत एक ऐसी पहल है, जो दूसरे राज्यों के लिए मिसाल बनेगी। मुझे विश्वास है कि इससे छत्तीसगढ़ के हॉकी खिलाड़ियों को बहुत लाभ मिलेगा। सीएचएएल का लीग एंबेसडर बनना मेरे लिए केवल एक मानद पद नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भविष्य के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सितारों के रूप में विकसित करने में योगदान देने का अवसर भी है। सीएचएएल में छह फ्रेंचाइज़ी टीमें शामिल हैं, जिनमें राष्ट्रीय स्तर के दिग्गज खिलाड़ियों, ओलंपियनों, स्थानीय प्रतिभाओं और छत्तीसगढ़ क्षेत्र के अनुभवी खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण देखने को मिलेगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को उच्च स्तरीय मंच उपलब्ध कराना और राज्य में घरेलू हॉकी के ढांचे को मजबूत करना है।प्रतियोगिता की छह फ्रेंचाइजी टीमों के साथ प्रतिष्ठित संस्थान जुड़े हैं। चक्रधर चैंपियंस की फ्रेंचाइजी जिंदल स्टील लिमिटेड, न्यायधानी नाइट्स की साउथ इस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (स्थ्ष्टह्र), राजधानी रॉयल्स की श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड, मैनपाट टाइगर्स की छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स की सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड और बैलाडीला बुल्स की फ्रेंचाइजी एनएमडीसी लिमिटेड के पास है। छत्तीसगढ़ टीमों के कुल 132 खिलाड़ी मैदान में उतरेंगे।

इनमें छत्तीसगढ़ के 108 स्थानीय और 24 अतिथि खिलाड़ी शामिल हैं। प्रत्येक टीम में 22 खिलाड़ी होंगे। इनमें चार अतिथि खिलाड़ी शामिल रहेंगे। हर टीम में एक पूर्व ओलंपियन मार्की खिलाड़ी भी होगा। 21 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक आयोजित इस लीग में 18 पुरुष हॉकी मुकाबले और एक प्रदर्शनी महिला हॉकी मैच खेला जाएगा। खिलाड़ियों के लिए कुल 21 लाख रुपए की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। विजेता टीम को 11 लाख और उपविजेता को छह लाख रुपए मिलेंगे। दर्शक सभी मुकाबलों का निःशुल्क आनंद ले सकेंगे। हॉकी के रोमांच के साथ छत्तीसगढ़ी संस्कृति और मनोरंजन का भी रंग जमेगा।लीग की सबसे बड़ी खासियत प्रत्येक टीम में एक पूर्व ओलंपियन का मार्की खिलाड़ी के रूप में शामिल होना है। इन छह दिग्गज खिलाड़ियों में एस.वी. सुनील, सुरेंद्र कुमार, ललित कुमार उपाध्याय,और प्रदीप मोर के नाम शामिल हैं।

इन अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी से स्थानीय खिलाड़ियों को भी मैदान पर उनके साथ खेलने का अवसर मिलेगा।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए पुरस्कारों की भी आकर्षक व्यवस्था की गई है। कुल 21 लाख रुपए की पुरस्कार राशि में से 17 लाख रुपए विजेता और उपविजेता टीमों के लिए निर्धारित हैं। विजेता टीम को 11 लाख रुपए तथा उपविजेता को छह लाख रुपए दिए जाएंगे। व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिए अलग-अलग श्रेणियों में कुल चार लाख रुपए के पुरस्कार रखे गए हैं।

आगामी फसल की तैयारी में आर्थिक सहायता मिलेगी

गन्ना बोनस में बढ़ोतरी से भोरमदेव कारखाने के 14,961 किसानों को मिलेगी 24.55 करोड़ की बोनस राशि

संवाददाता ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा गन्ना बोनस की गणना का आधार 355 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 425 रूपए प्रति क्विंटल किए जाने से गन्ना किसानों को बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से लिए गए इस निर्णय से गन्ना किसानों को बढ़ी हुई दर से बोनस का लाभ मिलेगा। इस निर्णय के फलस्वरूप पेराई सत्र 2025-26 में भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित, राम्हेपुर, कवर्धा को गन्ना बेचने वाले 14,961 किसानों को लगभग 24.55 करोड़ रुपए की बोनस राशि प्राप्त होगी।

पेराई सत्र 2025-26 के लिए बोनस गणना में एफआरपी 329.05 रुपए प्रति क्विंटल का आधार लिया गया है। बढ़ी हुई दर के अनुसार 425 रुपए में से एफआरपी घटाने पर किसानों को 95.95 रुपए प्रति क्विंटल की दर से बोनस मिलेगा। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने में पेराई सत्र 2025-26 के दौरान कुल 25,58,188 क्विंटल गन्ने की पेराई हुई। इस मात्रा पर 95.95 रुपए प्रति क्विंटल की दर से लगभग 24.55 करोड़ रुपए की बोनस राशि बनेगी, जिसका लाभ कारखाने को गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों को मिलेगा।



नवरात्रि से पहले गन्ना उत्पादकों को प्रदेश सरकार ने दिया तोहफा

प्रदेश के चारों सहकारी शक्कर कारखानों में पेराई सत्र 2025-26 के दौरान कुल 53,25,120 क्विंटल गन्ने की पेराई हुई है। इस आधार पर प्रदेश के कुल 31,022 गन्ना विक्रेता किसानों को लगभग 51.09 करोड़ रुपए की बोनस राशि प्राप्त होगी। नवरात्रि से पहले राज्य सरकार के इस निर्णय से गन्ना किसानों में हर्ष व्याप्त है। इससे किसानों को आर्थिक संबल मिलेगा। बढ़ी हुई बोनस राशि से किसानों को खेती की लागत वहन करने, समय पर कृषि कार्य कराने तथा आगामी फसल की बेहतर तैयारी करने में सहायता मिलेगी। इस निर्णय से कबीरधाम जिले के गन्ना किसानों में खुशी का माहौल है। किसानों ने गन्ना बोनस की गणना का आधार बढ़ाने के निर्णय पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया है। बढ़ी हुई आगामी फसल की तैयारी में आर्थिक सहायता मिलेगी।

न्यूज इन शॉर्ट

पुलिस की रेड कार्रवाई में संदिग्ध परिस्थितियों में मिले 05 व्यक्ति, व्ह्स्स् की धारा 170 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर भेजे गए जेल

बिलासपुर। थाना रतनपुर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि पप्पू निर्मलकर के मकान में कुछ व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में एकत्रित होकर आपत्तिजनक गतिविधियों में संलिप्त हैं। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक निलेश पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा मौके पर रेड कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान मौके पर राकेश लोनिया, रवि कुमार प्रजापति, प्रतीक सिंह ठाकुर, अर्जुन कुम्हार, राजकुमार प्रजापति एवं अजय दुबे उपस्थित मिले, अजय दुबे मौके से फरार हो गया शेष 5 व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (व्ह्स्स्) की धारा 170 के तहत पृथक-पृथक प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजा गया। कार्रवाई किए गए व्यक्तियों के नामराकेश लोनिया, पिता कीर्तिका लोनिया, उम्र 38 वर्ष, निवासी गांधीनगर, रतनपुर।

रवि कुमार प्रजापति, पिता गरीबा प्रजापति, उम्र 28 वर्ष, निवासी महामायापारा, रतनपुर।प्रतीक सिंह ठाकुर, पिता स्व. ओमकार सिंह, उम्र 40 वर्ष, निवासी भेड़ीमुड़ा, रतनपुर।अर्जुन कुम्हार, पिता स्व. बुधराम, उम्र 36 वर्ष, निवासी चैतमा, थाना पाली, जिला कोरबा।राजकुमार प्रजापति, पिता इतवार राम, उम्र 34 वर्ष, निवासी हरदीबाजार, थाना के पीछे, जिला कोरबा। अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु रतनपुर पुलिस सतत सक्रिय है।

राज्यपाल श्री रमेन डेका से प्रदेश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों ने आज लोकभवन में राज्यपाल श्री रमेन डेका से सौजन्य भेंट की। खिलाड़ी छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के उपाध्यक्ष श्री किशोर महानंद के साथ राज्यपाल से मिलने पहुंचे थे।

राज्यपाल श्री डेका ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया और आगामी प्रतियोगिताओं में सफलता की शुभकामनाएं दीं।राज्यपाल से भेंट करने वालों में अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टर श्री प्रदीप क्षत्री एवं श्री लखपति सिंदूर, वेटलिफ्टर श्री कैलाश सिक्का, बास्केटबॉल खिलाड़ी कु. सौपी सिक्का, थाई बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक विजेता कु. मानसी तांडी, सॉफ्टबॉल खिलाड़ी कु. गंगा सोना एवं कु. प्रतिमा सोना, फुटबॉल खिलाड़ी श्री बोस्टो तांडी एवं श्री राजेश महानंद, कराटे खिलाड़ी कु. लक्षिता तांडी, किक बॉक्सिंग खिलाड़ी कु. रीयाशा बाघ, पावरलिफ्टर कु. प्रिया हरपाल तथा 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन-5' के विजेता श्री रितेश पाल शामिल थे।

राज्यपाल से गेड़ी नर्तक अनिल गढ़ेवाल ने की भेंट

राज्यपाल से गेड़ी नर्तक अनिल गढ़ेवाल ने की भेंट रायपुर।राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध गेड़ी लोक नर्तक एवं लोक श्रृंगार भारती, बिलासपुर के संचालक श्री अनिल कुमार गढ़ेवाल ने अपने सहयोगी श्री लक्ष्मी नारायण मांडले के साथ सौजन्य भेंट की। उल्लेखनीय है की श्री गढ़ेवाल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के गेड़ी लोक नृत्य दल ने 26 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह तथा 15 अगस्त 2026 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'एट होम' कार्यक्रम में गेड़ी नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी थी। इन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयोजनों में छत्तीसगढ़ की लोककला और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रदर्शन कर दल ने प्रदेश को गौरवान्वित किया। राज्यपाल श्री डेका ने श्री गढ़ेवाल एवं उनकी टीम के प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोकनृत्य हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण अंग हैं। ऐसे कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की लोककला और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।राज्यपाल ने श्री गढ़ेवाल एवं उनके सहयोगियों को लोककला के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य करने तथा भविष्य में भी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

एजेंट से मारपीट कर जबरन उगाही सरकंड पुलिस ने त्वरित कार्रवाही कर तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार एक फरार

गिरफ्तार आरोपी आदतन बदमाश

संवाददाता ➤ बिलासपुर

बिलासपुर के सरकंडा का मामला बस एजेंट से मारपीट कर जबरन उगाही (रंगदारी) करने वाले आरोपियों के खिलाफ सरकंडा पुलिस की बड़ी कार्यवाही

मामले में 03 शातिर आरोपी गिरफ्तार भेजा गया न्यायिक रिमांड पर

01 फरार आरोपी की तलाश जारी

अपराध क्रमांक 1450 /2026 धारा 296, 115(2), 351(3), 3(5), 308(2) बीएनएस (व्ह्स्स्

गिरफ्तार आरोपि

1.तारण निर्मलकर पिता विशराम नगर निर्मलकर, उम्र 37 साल, निवासी-राधा स्वामी सत्संग भवन के पास, भैरो नगर, तिफरा, थाना सिरगिट्टी, जिला बिलासपुर (छ.ग.)।

2. घनश्याम तोण्डे उर्फ छोटू पिता स्व. राम चरण तोण्डे,



उम्र 28 साल, निवासी- शांतिनगर, इन्द्रपुरी, तिफरा, थाना सिरगिट्टी, जिला बिलासपुर (छ.ग.)।

3. बाला उर्फ मोन्टू यादव पिता राकेश यादव, उम्र 27 साल, निवासी- विष्णु चौक, तिफरा, थाना सिरगिट्टी, जिला बिलासपुर (छ.ग.)।

घटना का संक्षिप्त विवरण-**

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी शरद कश्यप उम्र 27 साल, निवासी टिकरापारा, बिलासपुर, जो अंबिका बस क्रमांक ष्ट15-ढ्ढछ्ल-8093 में बुकिंग एजेंट का काम करता है, ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। दिनांक 06.10.2026 की रात्रि करीब 10ः30 बजे, जब वह बिलासपुर से अंबिकापुर जाने वाली बस का पेट्रोल पंप के पास हिसाब बना रहा था, तभी रात्रि करीब 11ः20 बजे दो बाइकों पर सवार होकर आरोपी तारण निर्मलकर, घनश्याम तोण्डे, बाला उर्फ मोन्टू यादव और हसन खान वहां पहुंचे।

उक्त आरोपियों ने एक राय होकर प्रार्थी से पिछले हफ्ते की रंगदारी (हफ्ता वसूली) के पैसों की मांग की। प्रार्थी द्वारा मना करने पर आरोपियों ने मां-बहन की अश्लील गालियां देते हुए हाथ-मुक्का से मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान आरोपियों ने जबरन प्रार्थी के पास रखे बस के हिसाब के पैसों करीबन 11000 रखे थे जो मारपीट के समय पैसा एवं मोबाइल गिर गया था जो बाद में प्रार्थी को मिल गया कुछ पैसा लगभग 3300 रुपए भीड़ में नहीं मिला । मारपीट के दौरान प्रार्थी के साथी सैफी गौरी और परवेज ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उन पर भी जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने जाते-जाते प्रार्थी और उसके साथियों को जान से मारने की धमकी भी दी प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सरकंडा में तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया

पुलिस कार्रवाई व गिरफ्तारी-

घटना की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई जबरन उगाही व रंगदारी करने जैसी गंभीर मामला को ध्यान में रखते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर पंकज पटेल,नगर पुलिस अधीक्षक सरकंडा तिलेश्वर प्रसाद यादव के मागदर्शन में थाना प्रभारी प्रदीप कुमार आर्य के नेतृत्व में तत्काल टीम का गठन कर आरोपियों की पतासाजी शुरू की गई। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दबिश देकर 03 मुख्य आरोपियों को धरदबोचा गया

चचाई उपकेंद्र में हर घंटे बिजली कटौती से किसान और आमजन परेशान



मरम्मत के नाम पर भेजे जा रहे संदेश, लेकिन मौके पर नहीं हो रहा कार्य; जेई का फोन भी रहता है बंद**

चचाई। चचाई विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र में बार-बार हो रही बिजली कटौती से किसान और आम उपभोक्ता परेशान हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र में लगभग हर एक घंटे में बिजली काटी जा रही है। रात हो या दिन, बिजली की आंखमिचौली लगातार जारी है। इससे जहां किसानों के कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं, वहीं आम लोगों को भी दैनिक कामकाज में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली कटौती के संबंध में जब संबंधित कनिष्ठ अभियंता (जेई) को फोन लगाया जाता है, तो उनका मोबाइल लगातार बंद मिलता है। वहीं, विद्युत कार्यालय में चर्चा के दौरान लोगों को बताया गया कि बिजली कटौती जबलपुर से मिले आदेश के तहत की जा रही है। हालांकि, इस आदेश की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।उपभोक्ताओं की शिकायत है कि बिजली विभाग की ओर से मोबाइल पर लाइन मरम्मत कार्य के लिए बिजली बंद रहने के संदेश भेजे जाते हैं, लेकिन निर्धारित समय पर मौके पर मरम्मत कार्य होता दिखाई नहीं देता। ऐसे में उपभोक्ताओं के मन में सवाल उठ रहे हैं कि जब मरम्मत कार्य नहीं हो रहा है, तो बार-बार बिजली कटौती क्यों की जा रही है।नवरात्रि पर्व शुरू होने के साथ ही घरों और पूजा पंडालों में धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। ऐसे में रात-दिन जारी बिजली कटौती से लोगों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। वहीं, किसानों को भी सिंचाई सहित अन्य कृषि कार्यों में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय उपभोक्ताओं ने विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि बार-बार हो रही बिजली कटौती पर तत्काल रोक लगाई जाए और क्षेत्र में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। ताकि किसानों और आमजन को राहत मिल सके।

आई-गाट प्रशिक्षण कोर्स में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों को किया सम्मानित

संवाददाता ➤ रायपुर

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में अधिकारियों-कर्मचारियों को ई-ऑफिस, समयबद्ध उपस्थिति और आई-गाट में प्रशिक्षण कोर्स में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया। मुख्य सचिव ने सम्मान प्राप्त करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

श्री विकासशील ने कहा की मंत्रालय में अधिकारी-कर्मचारी समय पर अपनी उपस्थित दर्ज कर रहे है। मुख्य सचिव ने कहा कि मंत्रालय में 10 बजे से पूर्व आने वाले अधिकारी-कर्मचारियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मुख्य सचिव ने मासिक सम्मान कार्यक्रम में ई-ऑफिस के माध्यम से नस्तियों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण तथा कार्यालयीन समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने वाले मंत्रालयीन अधिकारी एवं कर्मचारियों को सितम्बर माह के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

विभागीय श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन ई-ऑफिस पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विभागों में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग प्रथम, आदिम जाति विकास विभाग द्वितीय तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग तृतीय स्थान पर रहा।

संयुक्त सचिव श्रेणी में आदिम जाति विकास विभाग के श्री भूपेन्द्र कुमार राजपूत प्रथम, अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के श्री अनुपम त्रिवेदी द्वितीय तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के श्री सचिदानंद आलोक तृतीय स्थान पर रहे। उप सचिव श्रेणी में चिकित्सा शिक्षा विभाग की श्रीमती लवीना पाण्डे प्रथम, सामान्य प्रशासन विभाग-1 के श्री किशोर कुमार भूआर्य द्वितीय तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के श्री दूरदेशी राम सोन्टापर तृतीय स्थान पर रहे।अवर सचिव श्रेणी में चिकित्सा शिक्षा विभाग के श्री पूरन लाल साहू प्रथम, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के श्री भूपेन्द्र सिंह राजपूत द्वितीय, गृह विभाग के श्री सोनचंद साहू तृतीय स्थान पर रहे। अनुभाग अधिकारी श्रेणी में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के श्री विरेन्द्र कुमार प्रथम, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की श्रीमती पी.दुर्गा द्वितीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के श्री शिवकुमार गोड़ तृतीय स्थान पर रहे। सहायक अनुभाग अधिकारी श्रेणी में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की श्रीमती वर्षा रानी अग्रवाल प्रथम, सामान्य प्रशासन विभाग-1 के बेरनाथ कूजूर द्वितीय, की सुश्री प्रिया बागड़े तृतीय स्थान पर रही।

महज 345 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर मिला 5 लाख रुपये का बीमा सुरक्षा कवच

दिवंगत डाककर्मी के नामांकित हितग्राही को सौंपी गई बीमा दावा राशि

संवाददाता ➤ बिलासपुर

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से उपलब्ध दुर्घटना बीमा योजना दिवंगत डाककर्मी के परिवार के लिए आर्थिक संबल बनी है। पेंड्रा रोड उपसंभाग के सेमरदर्री शाखा डाकघर में कार्यरत स्वर्गीय अरुणा ने मात्र 345 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर 5 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कराया था। उनके दुर्घटनावश निधन के बाद आज बिलासपुर मुख्य डाकघर में नामांकित हितग्राही कृष्णा साहू को 5 लाख रुपये की बीमा दावा राशि का चेक सौंपा गया।

अरुणा ने अपने परिवार की आर्थिक सुरक्षा के लिए रॉयल सुंदरम जनरल इंश्योरेंस से दुर्घटना बीमा लिया था। उनके निधन के बाद बीमा दावा राशि का भुगतान किया गया। बिलासपुर मुख्य डाकघर में डाक अधीक्षक बी.एल. जांगड़े के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में उपाधीक्षक रवि कछेर, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के सर्किल हेड मिथिलेश सिन्हा, वरिष्ठ प्रबंधक कमल चौहान एवं रॉयल सुंदरम के क्षेत्रीय प्रबंधक सौरभ जोशी की उपस्थिति में चेक प्रदान किया गया।



इस अवसर पर सर्किल हेड मिथिलेश सिन्हा ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुर्घटना जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों में बीमा परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने नागरिकों से अपने परिवार की सुरक्षा के लिए बीमा योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

नवाचार दिखाने का सुनहरा अवसर, 50 विजेताओं को मिलेंगे 10-10 लाख रुपये की

इंजीनियरिंग कॉलेज में विद्यार्थियों को दी गई प्रतियोगिता की जानकारी

संवाददाता ➤ बिलासपुर

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित %सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026% में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 10 विभिन्न क्षेत्रों से नए एवं उपयोगी विचार आमंत्रित किए जा रहे हैं। प्रतियोगिता में प्रत्येक क्षेत्र से पांच-पांच विजेताओं का चयन किया जाएगा। इस प्रकार कुल 50 विजेताओं को 10-10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता के तहत कुल पांच करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है।

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बिलासपुर द्वारा आज शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रतियोगिता के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की जानकारी देते हुए प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक कविता दर्गे, प्रबंधक रेवती कुमार लहरे, आरती झलारिया, सुनील कुमार पाण्डेय एवं उत्तम कुमार दुबे ने विद्यार्थियों को प्रतियोगिता की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य समाज एवं उद्योग की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए रचनात्मक और उपयोगी विचारों को प्रोत्साहित करना है। विद्यार्थियों को नए विचार प्रस्तुत करने तथा नवाचार को उद्यमिता से जोड़ने के संबंध में मार्गदर्शन भी दिया गया।



प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के साथ अन्य इच्छुक प्रतिभागी एवं नवाचारकर्ता भी हिस्सा ले सकते हैं। पंजीयन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक प्रतिभागी ह्यद्द1ड्डद्बठ्ठश्र1ड्डह्लद्बश्ठ्ठष्द्धड्डद्यद्यद्दठ्ठद्दद्द.द्बठ्ठ पर पंजीयन कर सकते हैं। विद्यार्थियों से अपने परिचितों, अन्य संस्थानों एवं इच्छुक लोगों तक प्रतियोगिता की जानकारी पहुंचाने और अधिक से अधिक प्रतिभागियों को पंजीयन के लिए प्रेरित करने की अपील की गई।

कार्यक्रम में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डिप्टी-कलेक्टर पर 3 करोड़ और लग्जरी कार मांगने का आरोप

रायपुर।छत्तीसगढ़ के रायपुर की रहने वाले पूजा बंजारे ने अपने पति डिप्टी कलेक्टर मनोज बंजारे के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, मारपीट और मानसिक उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई है। स्व्ह्रक्रके मुताबिक, पति और ससुराल पक्ष पर लग्जरी कार के साथ 2 से 3 करोड़ रुपए दहेज में मांगने का आरोप है।पत्नी का कहना है कि, मांग पूरी नहीं होने पर उसे प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला महिला थाने इलाके का है।

शादी के दूसरे दिन से दहेज को लेकर ताने मारे

शिकायत के अनुसार, पूजा की शादी जुलाई 2024 में धमतरी के जोधापुर वार्ड निवासी मनोज बंजारे से हुई थी। शादी में मायके पक्ष ने सोने के जेवर और घरेलू सामान दिया था। आरोप है कि, शादी के दूसरे दिन से ही कम दहेज लाने को लेकर ताने दिए जाने लगे।ससुराल पक्ष कथित तौर पर कहता था कि, डिप्टी कलेक्टर होने के कारण मनोज की शादी किसी संपन्न परिवार में होती तो करोड़ों रुपए और लग्जरी कार मिलती।

जमीन बेचकर 2 से 3 करोड़ रुपए लाने का दबाव

पूजा ने आरोप लगाया कि, जनवरी 2025 में पति ने मायके की जमीन बेचकर 2 से 3 करोड़ रुपए लाने का दबाव बनाया। रकम लाने में असमर्थता जताने पर मारपीट किए जाने की शिकायत भी की गई है। शिकायत में गर्भावस्था के दौरान प्रताड़ना और प्रसव के खर्च को लेकर विवाद का भी जिक्र है।

पूर्व कप्तान बोले- रणजी के साथ खिलवाड़ ना करें



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सुनील गावस्कर का मानना है कि रणजी ट्रॉफी की अहमियत बनाए रखने के लिए जरूरी है कि प्रमुख खिलाड़ी अपनी राज्य टीमों के लिए उपलब्ध रहें और रिकॉर्ड का मूल्यांकन करते समय मुकाबले के लेवल को भी ध्यान में रखा जाए। गावस्कर ने इंडिया-ए के शेड्यूल को लेकर खासतौर पर नाराजगी जताई।टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा प्रारूप और घरेलू क्रिकेट के शेड्यूल पर सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि इंडिया ए के मुकाबले रणजी ट्रॉफी के दौरान नहीं होने चाहिए क्योंकि इससे राज्य की टीमों को अपने प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलना पड़ता है। इसके साथ ही उन्होंने प्लेट ग्रुप में बनने वाले रिकॉर्ड की अहमियत पर भी सवाल खड़े किए हैं।रणजी ट्रॉफी का नया सीजन रविवार (11 अक्टूबर) से शुरू हुआ, लेकिन उसी दिन इंडिया ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच तीन मैचों की अनऑफिशियल वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला भी खेला गया। इसके कारण रजत पाटीदार, देवदत्त पडिक्कल और ऋतुराज गायकवाड़ अपनी राज्य टीमों के लिए उपलब्ध नहीं थे। पाटीदार मध्य प्रदेश, पडिक्कल कर्नाटक और गायकवाड़ महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस महीने के आखिर में इंडिया ए की टीम न्यूजीलैंड दौरे पर तीन अनौपचारिक टेस्ट मैच भी खेलेगी। इससे रणजी ट्रॉफी में कुछ खिलाड़ियों की उपलब्धता पर फिर असर पड़ सकता है। सुनील गावस्कर ने आयोजकों से घरेलू क्रिकेट का कैलेंडर तैयार करते समय इस टकराव से बचने की अपील की है।सुनील गावस्कर ने मिड-डे में अपने कॉलम में लिखा कि इंडिया-ए के मैच इंटरनेशनल स्तर के लिए खिलाड़ियों को परखने का अच्छा माध्यम हैं।

चैंपियनों के करियर को नया रूप



भारत की रेसिंग सनसनी अतीका मीर के करियर को नई उड़ान मिली है. उन्हें इटली के दिग्गज डिनो चिएसा की टीम कार्ट रिपब्लिक (केआर) ने साइन किया है. चिएसा कई फॉर्मूला-1 विश्व चैंपियनों के करियर को नया रूप देने के लिए जाने जाते हैं।

गिल 5वीं बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बनेः



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को सितंबर का ढ्ढष्टप्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। यह पांचवीं बार है, जब गिल ने यह अवॉर्ड जीता है। उन्होंने अभिषेक शर्मा और जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को पीछे छोड़ा।27 साल के गिल सबसे ज्यादा बार यह अवॉर्ड जीतने वाले क्रिकेटर बने हैं। वे मेंस कैटेगरी में भी सबसे ज्यादा बार यह पुरस्कार जीतने वाले क्रिकेटर भी हैं।विमेंस कैटेगरी में भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। उन्होंने अपनी साथी खिलाड़ी श्री चरणी और श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू को पछाड़कर यह अवॉर्ड जीता। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे में 334 रन बनाए। उन्होंने पहले वनडे में 110 रन की पारी खेली। इसके बाद दूसरे वनडे में 133 गेंदों पर 223 रन बनाए।

नाल्डो का मैच मिसाइल हमले से प्रभावित

एक घंटे की देरी से शुरू हुआ, अल नासर 3-1 जीता; सऊदी ने हूतियों की मिसाइल गिराई

रियाद। सऊदी अरब के रियाद में हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले के खतरे के कारण एशियन फुटबॉल चैंपियंस ट्रॉफी का मैच एक घंटे देरी से शुरू हुआ। मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नासर ने नफ्तची फरगाना को 3-1 से हराया।सऊदी लीडरशिप वाले सैन्य गठबंधन ने कहा कि उसने रियाद की ओर दागी गई हूतियों की बैलिस्टिक मिसाइल को रोककर नष्ट कर दिया।मैच अल-अव्वल पार्क में स्थानीय समयानुसार रात 9ः15 बजे (1815 ब्रस्त्र) शुरू होना था। मुकाबला रात 10ः15 में शुरू हो सका। रोनाल्डो ने पहले हाफ के अंत से ठीक पहले अपने करियर का 981वां गोल किया।

मैच से पहले धमाके की आवाज

मैच से कुछ देर पहले ब्रुक्के संवाददाताओं ने रियाद में धमाकों की आवाज सुनी। इसी



दौरान शहर के लोगों के फोन पर हवाई खतरे का अलर्ट भी आया।

अलर्ट में कहा गया, 'यह इलाका हवाई हमले के खतरे में है। कृपया शांत रहें और घर या किसी सुरक्षित जगह पर रहें। खिड़कियों और दरवाजों से दूर रहें। सिविल डिफेंस के निर्देशों का पालन करते रहें।'

स्टेडियम के उद्घोषक ने कहा कि स्थिति सुरक्षित है और मैच खेला जाएगा। उन्होंने दर्शकों से अपनी सीटों पर बने रहने की अपील की। हालांकि, मैच का प्रसारण कर रहे टेलीविजन चैनल ने मुकाबला एक घंटे देर से शुरू होने की जानकारी दी।

इसके बाद गठबंधन ने ङ्क पर जारी बयान में हूतियों की ओर से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को ÷रोककर नष्ट÷ करने की बात कही। इसके अलावा, रियाद एयरपोर्ट पर भी कई जानलेवा हमले हुए हैं।

पुर्तगाल ने रोनाल्डो पर 3 मैच का बैन लगाया

पुर्तगाली फुटबॉल फेडरेशन ने टीम से बाहर जाने के मामले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को 3 मैच के लिए सस्पेंड किया है। फेडरेशन ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू की।

यह मामला फेडरेशन की अनुशासनात्मक जांच समिति को भेजा गया है। फेडरेशन ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि जांच पूरी होने तक उसके निष्कर्ष गोपनीय रहेंगे।

1 साल के रोनाल्डो ने अंतरराष्ट्रीय विंडो के दौरान पुर्तगाल का कैंप छोड़ दिया था। नए कोच जॉर्ज जीसस के साथ खेलने के कम समय पर विवाद हुआ था। नियमों के अनुसार, रोनाल्डा पर एक से छह महीने तक निलंबित किया जा सकता है।

व्यापार

फेस्टिव सीजन में कारों का धमाका



नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो अक्टूबर में कई लॉन्चेज होने वाले हैं. फेस्टिव सीजन को ध्यान में रखते हुए तमाम कंपनियों ने अपनी तैयारी कर ली हैं। टोयोटा, होंडा, हुंडई, स्कोडा और रेनो अपनी नई कारों को इस महीने मार्केट में उतारने वाले हैं। इस महीने हमें 5 मास मार्केट गाड़ियां देखने को मिलेंगी। इस लिस्ट में हैचबैक से लेकर एसयूवी और सेडान तक शामिल हैं। ऐसे में नई कार खरीदने वालों को थोड़ा इंतजार कर लेने से बेहतर विकल्प या बेहतर डील दोनों मिल सकती है।

इंडिगो में कल से सफर महंगा, फ्यूल चार्ज बढ़ाया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

1300, इंटरनेशनल में देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की फ्लाइट्स मंगलवार से महंगी हो जाएंगी। एयरलाइन ने घरेलू उड़ानों में ?1300 तक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स में ?10,000 तक एक्स्ट्रा फ्यूल चार्ज लगाने का ऐलान किया है। नई कीमतें 6 अक्टूबर रात 12ः01 बजे से लागू होंगी।इंडिगो ने छह महीने में तीसरी बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे पहले एयरलाइन ने इस साल 14 मार्च और फिर 1 अप्रैल को किराया बढ़ाया था। एयरलाइन के मुताबिक, यह फैसला एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी जेट फ्यूल महंगा होने से लिया गया है।कंपनी ने किराया बढ़ाने का फैसला हवाई जहाजों में इस्तेमाल होने वाला फ्यूल महंगा होने की वजह से लिया है। 1 अक्टूबर से घरेलू



एयरलाइंस के लिए कीमत ?121 से बढ़कर अब ?137 हो गई है। यानी 1 लीटर ब्रस्त्र की कीमत 16 रुपए (करीब 13.2ब्र) बढ़ गई है।इंडिगो के अनुसार, पिछले एक ही महीने में जेट फ्यूल के दाम 14ब्र से ज्यादा बढ़ चुके हैं। इसके चलते प्लेन में डलने वाला तेल अब पिछले 10 सालों में सबसे ज्यादा महंगा हो गया है।

एयरलाइंस के लिए सबसे बड़ा खर्च होता है जेट-फ्यूलजेट फ्यूल की कीमतें बढ़ने के चलते दुनियाभर की एयरलाइंस ने न सिर्फ टिकट के दाम बढ़ा दिए हैं, बल्कि अपने भविष्य के वित्तीय अनुमानों यानी फाइनेंशियल आउटलुक को भी वापस लिया है। एयरलाइंस के लिए जेट-फ्यूल सबसे बड़ा खर्च होता है। से 40ब्र होती है।

अब बिना कोर्ट-ऑर्डर अरेस्ट नहीं कर पाएंगे; GST कानून में सुधार की तैयारी

टैक्स अधिकारियों से छिनेगा गिरफ्तारी का अधिकार

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल 7 अक्टूबर को होने वाली अपनी बैठक में देश के इनडायरेक्ट टैक्स सिस्टम में बड़े सुधारों को मंजूरी दे सकती है। नए प्रस्ताव के तहत टैक्स अधिकारियों से सीधे गिरफ्तार करने का अधिकार वापस लेने और फर्जीवाड़े के आपराधिक मामलों की सीमा बढ़ाने की तैयारी है।सितंबर 2025 में हुए रेट रेशनलाइजेशन यानी ब्रस्त्र दरों में बदलाव के बाद सरकार अब नेक्स्ट-जनरेशन जीएसटी के तहत टैक्स प्रशासन को आसान बनाने और कारोबारियों को राहत देने पर काम कर रही है।ताव लाया जा रहा है?

जवाबः नए प्रस्ताव के तहत सीजीएसटी एक्ट की धारा 69 में संशोधन की तैयारी है। अब तक कमिश्नर लेवल की मंजूरी मिलने पर जीएसटी अधिकारी किसी व्यक्ति को सीधे गिरफ्तार कर सकते थे।नए बदलाव के बाद



अधिकारियों से यह पावर वापस ले ली जाएगी। अब किसी भी गिरफ्तारी के लिए कोर्ट (न्यायिक मंजूरी) का आदेश अनिवार्य होगा।

सवालः क्रिमिनल प्रोसीडिंग्स की सीमा में क्या बदलाव होगा?

जवाबः वर्तमान में 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की टैक्स चोरी या फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम के मामलों में आपराधिक कार्रवाई और गिरफ्तारी की व्यवस्था है।

प्रस्ताव के अनुसार, क्रिमिनल केस चलाने की इस लिमिट को ?1 करोड़ से बढ़ाकर सीधे ?5 करोड़ करने की सिफारिश की गई है। यानी ?5 करोड़ से कम के मामलों में आपराधिक केस दर्ज नहीं होगा।

सवालः क्या रूटीन टैक्स विवादों में भी अब जेल जाना पड़ सकता है?

जवाबः नहीं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि क्लासिफिकेशन, वैल्यूएशन या इनपुट टैक्स क्रेडिट के रूटीन विवादों को क्रिमिनल प्रोसीडिंग्स के दायरे से बाहर रखा जाएगा।कई बार किसी एक ट्रांजैक्शन की परिभाषा को लेकर बिजनेस और टैक्स अधिकारियों की राय अलग-अलग हो सकती है, ऐसे मामलों को अब क्रिमिनल ऑफेंस नहीं माना जाएगा।सवालः जीएसटी अधिकारियों से अरेस्ट पावर वापस लेने की मुख्य वजह क्या है?

जवाबः जब 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू हुआ था, तब फेक इनवॉइस और टैक्स चोरी पकड़ने के लिए ऑटोमेटेड सिस्टम मजबूत नहीं था। इसलिए गिरफ्तारी का डर जरूरी था। अब जीएसटी का सिस्टम बहुत मजबूत हो चुका है।

अमेरिका-भारत ट्रेड डील की बातचीत में अब ज्यादा गुंजाइश नहीं



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर चल रही बातचीत ऐसी जगह पर आकर अटक गई है, जहां से आगे बढ़ना दोनों देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित म्यूनिख लीडर्स मीटिंग के दौरान यह बात कही। ।उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बात उस मोड़ पर पहुंच चुकी है जहां न तो भारत और छूट देने को तैयार है, और न ही अमेरिका। वित्त मंत्री ने कहा फिर भी अगर आगे बातचीत का कोई नया रास्ता निकलता है या गुंजाइश बनती है, तो दोनों देश उस पर बात करने के लिए तैयार हैं।

व्यापार समझौते में हर देश चाहता है कि उसके किसानों, कंपनियों और व्यापारियों का नुकसान न हो। एक हद के बाद कोई भी देश अपनी शर्तों से पीछे नहीं हटना चाहता। इसका मतलब यह नहीं है ।



ट्रंप का 'निर्णायक युद्ध'

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप बीते कई दिनों से धमकी भरे बयान दे रहे हैं कि ईरान को उड़ा देंगे। ईरान का अस्तित्व खत्म कर देंगे। ईरान को नरक बना देंगे। ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे, लिहाजा वह संवर्धित यूरेनियम अमरीका को सौंप दे। पेंटागन ने 27 अक्तूबर-3 नवंबर की तारीखें घोषित की हैं, जब अमरीकी सेना ईरान पर बड़ा, निर्णायक, विध्वंसक हमला कर सकती है। यह तीन दिन का युद्ध हो सकता है, जो ईरान के 80 किलोमीटर अंदर किया जा सकता है। ईरान के परमाणु केंद्र, ऊर्जा ठिकाने एवं प्लांट और हथियारों के भंडार निशाने पर होंगे। अमरीकी सेना इस बार ईरान के तटीय इलाकों पर ही हमले करना चाहती है, लिहाजा वहीं लड़ाकू विमान, बी-1 बॉम्बर्स समेत 104 विमानों की आसमान में हलचलें, तैनाती चौंकाती है। यह पेंटागन का प्रस्ताव बताया जाता है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप ने अभी मंजूरी नहीं दी है। यह अमरीका में मध्यावधि चुनावों का निर्णायक दौर भी होगा, जब प्रस्तावित हमले किए जाएंगे। ट्रंप अपनी 'रिपब्लिकन पार्टी' की संसदीय प्रतिष्ठा किसी भी तरह बचाने को आतुर हैं, लिहाजा अचानक रूस के साथ 30 लाख टन डीजल की आपूर्ति का समझौता, सौदा भी किया है, लेकिन ज्यादातर सर्वेक्षण चुनावों में राष्ट्रपति ट्रंप की 'राजनीतिक पराजय' के निष्कर्ष दे रहे हैं। तीन दिन के युद्ध की योजना का बुनियादी मकसद है कि आनन-फानन में ईरान पर विध्वंसक हमले किए जाएं और अचानक अमरीका की जीत का ऐलान कर दिया जाए। यह इतना आसान, सरल, सहज, एकतरफा नहीं होगा, क्योंकि ईरान ने भी चेतावनियां जारी की हैं कि उसने अढाई गुना तेज हथियार बना लिए हैं, रक्षा उत्पादन को 250 फीसदी तक बढ़ा लिया है। अमरीका पर उन मिसाइलों, हथियारों से पलटवार हमले किए जाएंगे, जिनकी उसने कल्पना तक नहीं की होगी। बहरहाल अमरीकी कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की एक रपट सामने आई है, जिसके मुताबिक ईरान युद्ध में अमरीका के 12 एफ-15ई विमान नष्ट हुए हैं, 81 विमान, हेलीकॉप्टर भी तबाह या क्षतिग्रस्त हुए हैं, 45 एमक्यू-9 रीपर सर्वश्रेष्ठ ड्रोन भी नष्ट हो चुके हैं। इस सूची में अन्य कई विमानों के भी नाम हैं। कुल मिला कर इस नुकसान की लागत 1.9 अरब से 3.3 अरब डॉलर आंकी गई है। 20-23 सैनिक भी मारे जा चुके हैं और ईरान ने खाड़ी देशों में अधिकतर अमरीकी ठिकानों को मिट्टी-मलबा भी कर दिया है। अमरीका के लिए हथियारों की कमी का संकट अलग है, जिस पर ट्रंप कुछ भी दावे करते रहें। क्या अमरीका युद्ध को जारी रखने की स्थिति में है?यही कारण है कि बीते कई दिनों से अमरीका और इजरायल दोनों ही देशों ने ईरान पर एक बम तक नहीं फोड़ा है। बेशक राष्ट्रपति ट्रंप धमकियां देते रहे हैं। युद्ध के इन 7 महीनों से अधिक के समय में अमरीकी फेडरल बजट घाटा उसकी जीडीपी के 6 फीसदी तक पहुंच चुका है। यह जी-7 देशों में सबसे खराब स्थिति मानी जा रही है। अमरीकी किसानों को करीब 31 अरब डॉलर का नुकसान झेलना पड़ रहा है, क्योंकि डीजल, उर्वरक की वैश्विक कीमतें आसमान छू रही हैं। अमरीका में डीजल की महंगाई अप्रत्याशित, अभूतपूर्व स्तर पर है, लिहाजा ट्रंप को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ 'डीजल डील' करनी पड़ी है। अब अमरीका रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों-खासकर भारत और चीन-पर 100 फीसदी टैरिफ कैसे थोप सकेगा? यकीनन ऊर्जा संकट से पूरी दुनिया परेशान है, तो भारत भी चिंतित है। भारत तो करीब 88 फीसदी कच्चा तेल, गैस आदि आयात ही करता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि कच्चा तेल 10 डॉलर प्रति बैरल महंगा होता है, तो भारत के सालाना आयात बिल में 13-14 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हो जाती है। युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर 7 फीसदी से अधिक दिखाई जा रही है। असलियत क्या है, हम नहीं जानते।

(एक नजर)

शनि-मंगल का नवपंचम योग

ग्रहों की चाल और उनकी स्थिति को महत्वपूर्ण माना जाता है. मान्यता है कि इनका प्रभाव लोगों के करियर, आर्थिक स्थिति और निजी जीवन पर भी पड़ सकता है. इस समय कर्मफल दाता शनि मीन राशि में वक्री हैं, जबकि मंगल कर्क राशि में गोचर कर रहे हैं. ऐसे में अक्टूबर के मध्य में इन दोनों ग्रहों की स्थिति से नवपंचम योग बनने जा रहा है. इस योग के निर्माण से कुछ राशियों के लोगों को नौकरी और कारोबार में तरक्की के नए अवसर मिल सकते हैं. साथ ही, आर्थिक स्थिति में सुधार होने की भी संभावना है. तो आइए जानते हैं मंगल-शनि के संयोग से बना नवपंचम योग किन राशियों के लिए शुभ माना जा रहा है. वैदिक पंचांग के अनुसार, 16 अक्टूबर को दोपहर 1 बजकर 58 मिनट पर मंगल और शनि के बीच 120 डिग्री का कोण बनेगा. ग्रहों की इस स्थिति को नवपंचम योग कहा जाता है. बता दें कि इस समय मंगल अपनी नीच राशि कर्क राशि में हैं. हालांकि, इस राशि में देवगुरु बृहस्पति के साथ उनकी युति के कारण नीचभंग योग का निर्माण हो रहा है. कर्क राशिः कर्क राशि वालों के लिए मंगल और शनि की यह स्थिति करियर और धन के मामले में अच्छी रह सकती है. नौकरी में सफलता मिलेगी. काम ज्यादा मिल सकता है . नई जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं।

विचार

युवा शक्ति ही साकार करेगी विकसित भारत का सपना

प्रो. मनोज डोगरा

लेखक

विद्यार्थियों की तुलना दूसरों से नहीं होनी चाहिए। विद्यार्थी किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। उनकी आंखों में पलने वाले सपने, मन में उठने वाले विचार और कर्म में दिखाई देने वाला संकल्प ही देश के भविष्य की दिशा निर्धारित करता है। आज के विद्यार्थी ही कल के वैज्ञानिक, शिक्षक, चिकित्सक, प्रशासक, उद्यमी, सैनिक और राष्ट्रनिर्माता हैं। इसलिए विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारना, उन्हें सही दिशा देना और उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा करना केवल परिवार या शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। इसी संदर्भ में विश्व विद्यार्थी दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है।

सभी विद्यार्थियों से एक जैसी उपलब्धियों की अपेक्षा करना उचित नहीं है। किसी की रुचि विज्ञान में हो सकती है, तो कोई साहित्य, संगीत, खेल, कला या उद्यमिता में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। विद्यार्थियों की तुलना दूसरों से नहीं होनी चाहिए। विद्यार्थी किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। उनकी आंखों में पलने वाले सपने, मन में उठने वाले विचार और कर्म में दिखाई देने वाला संकल्प ही देश के भविष्य की दिशा निर्धारित करता है। आज के विद्यार्थी ही कल के वैज्ञानिक, शिक्षक, चिकित्सक, प्रशासक, उद्यमी, सैनिक और राष्ट्रनिर्माता हैं। इसलिए विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारना, उन्हें सही दिशा देना और उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा करना केवल परिवार या शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। इसी संदर्भ में विश्व विद्यार्थी दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत में 15 अक्तूबर को पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और युवाओं के प्रेरणास्रोत डा. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर विश्व विद्यार्थी दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षा, ज्ञान, अनुशासन, रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित करना है। डा. कलाम का संपूर्ण जीवन इस बात का प्रमाण है कि साधारण परिस्थितियों में जन्म लेने वाला व्यक्ति भी असाधारण उपलब्धियां प्राप्त कर सकता है, बशर्ते उसके पास बड़े सपने देखने का साहस और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर परिश्रम करने का संकल्प हो।डा. कलाम का जीवन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा -डा. कलाम का जीवन संघर्ष, सादगी, अनुशासन और समर्पण की अनुपम मिसाल है। तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक साधारण परिवार में जन्मे कलाम ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा के प्रति अपनी लगन को कभी कम नहीं होने दिया। अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों के माध्यम से



उन्होंने भारत के अंतरिक्ष और रक्षा कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 2002 में वह भारत के राष्ट्रपति बने, लेकिन सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचने के बाद भी उनका सबसे प्रिय परिचय एक शिक्षक का ही रहा। डा. कलाम का विश्वास था कि बच्चों और युवाओं के भीतर देश को बदलने की क्षमता है। वह विद्यार्थियों से संवाद करते, उनके प्रश्नों को प्रोत्साहित करते और उन्हें बड़े लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा देते थे। उनका जीवन संदेश देता है कि सफलता केवल संसाधनों की प्रचुरता से नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच से प्राप्त होती है। आज जब विद्यार्थी परीक्षा, प्रतिस्पर्धा और भविष्य की अनिश्चितताओं के दबाव से गुजर रहे हैं, तब कलाम के विचार पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। विद्यार्थियों को यह समझना होगा कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि अपनी कमियों को पहचानकर आगे बढ़ने का अवसर है। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, वर्तमान समय में शिक्षा को अक्सर परीक्षा में प्राप्त अंकों, डिग्रियों और नौकरी हासिल करने के साधन के रूप में देखा जाता है। निस्संदेह, रोजगार प्राप्त करना शिक्षा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है, लेकिन शिक्षा का वास्तविक लक्ष्य इससे कहीं व्यापक है। शिक्षा व्यक्ति को विवेकशील बनाती है, सही और गलत के बीच अंतर करना सिखाती है तथा समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारियों का बोध कराती है। यदि कोई विद्यार्थी उच्च अंक प्राप्त कर ले, लेकिन उसमें ईमानदारी, संवेदनशीलता, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी का अभाव हो, तो उसकी शिक्षा अधूरी मानी जाएगी। शिक्षण संस्थानों का उद्देश्य केवल सफल पेशेवर तैयार करना नहीं, बल्कि अच्छे नागरिकों का निर्माण करना भी

विचार

आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा, दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो

- ललित गर्ग

लेखक

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है।

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है।लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन की छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है। आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने



आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं।आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन जुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्त्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश को रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया।आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया। वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस का विषय बन सकती है। यह लोकतंत्र के लिए एक महत्त्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का मंच मिला है।

विचार

एलन मस्क प्रकरण, विदेशी मुख के शंख न बनें राहुल गांधी

राकेश सैन

लेखक

अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मस्क ने कहा कि स्टारलिंक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिल चुका है और उसने पांच वर्षों तक भारत के हर कानून का पालन किया, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला ? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं ? यह बात पूरी तरह सच नहीं है।

शंख का यह दुर्भाग्य है कि ईश्वर ने उसे मजबूत खोल तो दिया है पर कोमल मस्तिष्क नहीं, तो बेचारा पराई फूक से बजने को मजबूर है। शंख की इसी मजबूरी के खतरे भी अनेक है, चाहते न चाहते हुए भी वह दूसरों की हावर्ड को आवाज दे देता है और वो भी कई गुना बढ़ा कर। आजकल देश के प्रतिपक्षी नेता



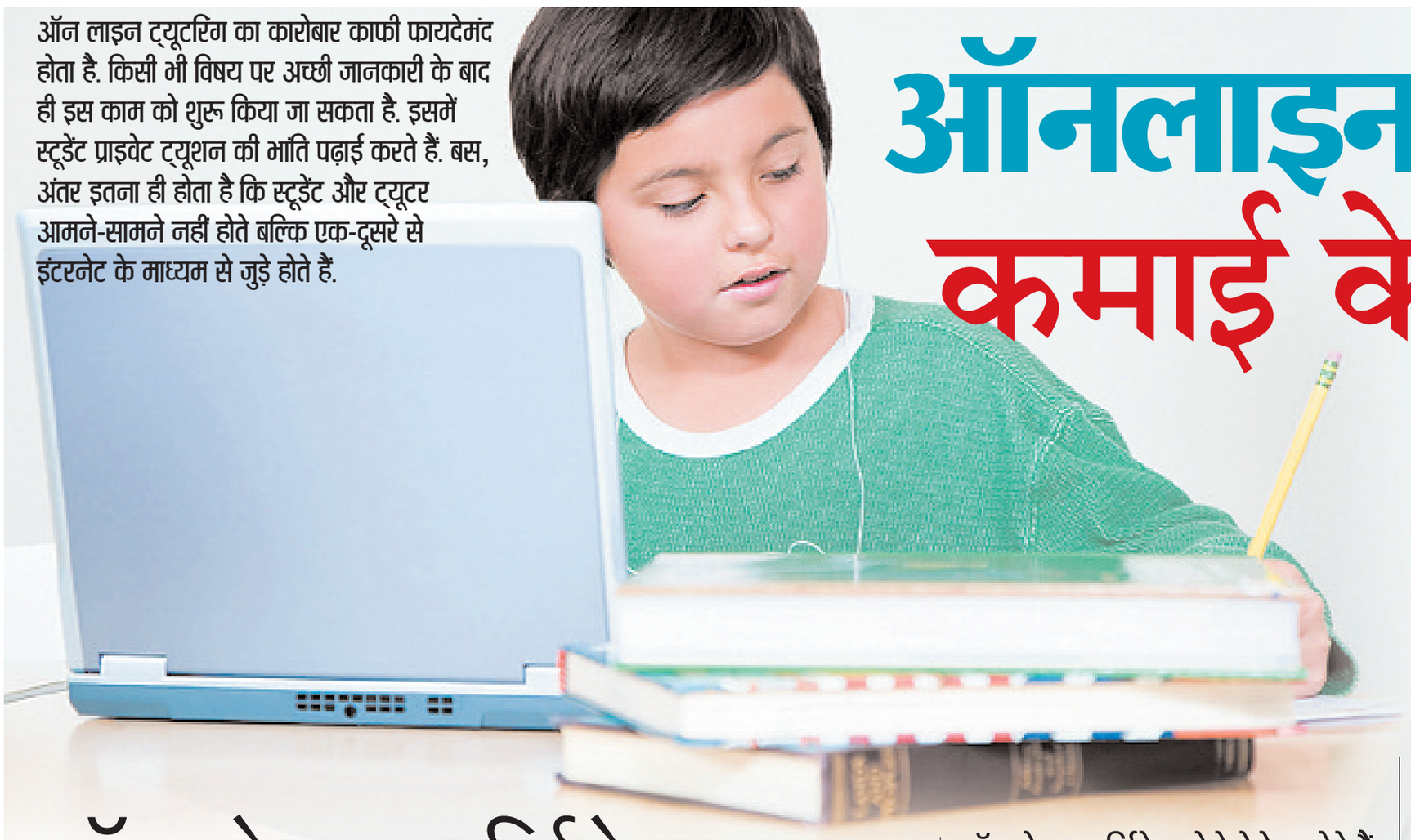
राहुल गांधी हर विदेशी मुंह का शंख बनने के प्रयास में दिख रहे हैं। दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क का भारत सरकार पर किया गया हमला अनेक तरह के खतरनाक संकेत समेटे हुए हैं और इस हमले में किसी विदेशी शक्ति को देश के किसी संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति का एक स्वर होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।



राहुल गांधी को विदेशी फूक से बजने वाला शंख बनने से गुरेज करना चाहिए।जैसा कि सभी जानते हैं कि, सूचना प्रौद्योगिकी जिस तेजी से विकसित हो रही है उसी तेजी से इसके खतरे भी बढ़ रहे हैं। यह तकनीक जहां बड़ी आबादी को लाभ पहुंचा रही है, वहीं इसे नियंत्रित करने वाली चंद कंपनियों को बेशुमार ताकत भी सौंप रही है। इतनी कि ये कंपनियां राजनीतिक शक्तियों को भी बौना समझने लगी हैं। जहां बात नहीं बनती, वहां वे राष्ट्रीय नेतृत्व की साख बिगाड़ने में लग जाती हैं। कुछ देशों में सरकारें बनाने-गिराने के खेल में सक्रिय रहकर स्वार्थ साधना तो उनका पुराना नुस्खा है। दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क का भारत सरकार पर किया गया अपनी तरह का %पहला हमला% इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।अपने सोशल मीडिया मंच %एक्स% पर मस्क ने कहा कि स्टारलिंक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिल चुका है और उसने पांच वर्षों तक भारत के हर कानून का पालन किया, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं? यह बात पूरी तरह सच नहीं है। सरकार ने साफ किया कि स्टारलिंक को मई 2025 में ही लाइसेंस मिल चुका है। सिर्फ स्पेक्ट्रम आवंटन अटका है, क्योंकि विदेशी निवेश की मंजूरी और सुरक्षा शर्तों का परीक्षण बाकी है। स्टारलिंक ने जमीनी ढांचा विकसित करने के लिए जियो और भारती एयरटेल से साझेदारी भी की है और जियो के मालिक मुकेश अंबानी ही हैं। तो अंबानी पर कटाक्ष का अर्थ क्या है? सीधा अर्थ है कि मस्क सुरक्षा शर्तों में ढील चाहते हैं और यह भी कि सैटेलाइट फोन के क्षेत्र में कोई भारतीय कंपनी उनके मुकाबले आगे न बढ़े, क्योंकि अंबानी भी यह महत्वाकांक्षा रखते हैं।

ऐसे समय, जब केंद्र सरकार नीट और एसआइआर पर घरेलू राजनीति में घिरी है, मस्क की टिप्पणी मौके का फायदा उठाने की चाल है। ऐसा लगता है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस सोची-समझी चाल पर बिना सोचे प्रतिक्रिया दे दी- %भारत में स्वागत है एलन, जब तक दूसरा शख्स न मिले इंतजार करें। जबकि, स्टारलिंक के जियो और एयरटेल से समझौते पर तब कांग्रेस ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी।घरेलू मोर्चे पर सरकार को घेरना एक बात है और अंतरराष्ट्रीय दांव-पेचों में शामिल होना दूसरी। क्या सुरक्षा की चिंता किए बिना किसी सैटेलाइट कंपनी को इसलिए मंजूरी दे देनी चाहिए कि उसके मालिक अंबानी-अदाणी नहीं, मस्क हैं? दूसरी बात यह है कि विदेशी कंपनी के आगे भारतीय कंपनी को तरजीह क्यों नहीं मिलनी चाहिए, भले ही वह अंबानी या अदाणी की ही क्यों न हो, जिनकी मोनोपॉली विपक्ष के लिए घरेलू मुद्दा है? मस्क जैसे लोग नई तकनीकों से मानवता की भलाई के लिए भले ही ढेरों काम कर रहे हों, पर इससे शायद ही कोई इनकार करे कि आर्थिक और राष्ट्रीय हितों के टकराव में उनका व्यवहार पराया ही रहेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में ऐसे तकनीकी महारथियों से सावधान रहना होगा, न सिर्फ सत्ता पक्ष को बल्कि विपक्ष को भी। माना कि शंख मस्तिष्क विहीन होते हैं पर शंख से जुड़े किसी न किसी को तो यह जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी कि कोई विदेशी फूक शंख के माध्यम से देश का वातावरण बिगाड़ न पाए।

ऑन लाइन ट्यूटरिंग का कारोबार काफी फायदेमंद होता है. किसी भी विषय पर अच्छी जानकारी के बाद ही इस काम को शुरू किया जा सकता है. इसमें स्टूडेंट प्राइवेट ट्यूशन की भांति पढ़ाई करते हैं. बस, अंतर इतना ही होता है कि स्टूडेंट और ट्यूटर आमने-सामने नहीं होते बल्कि एक-दूसरे से इंटरनेट के माध्यम से जुड़े होते हैं.



ऑनलाइन टीचिंग में कमाई के ऑप्शन

आप घर बैठे ही देश अथवा विदेश में भी ऑनलाइन ट्यूटरिंग का कारोबार शुरू कर सकते हैं. ऑन लाइन ट्यूटरिंग का कारोबार काफी फायदेमंद होता है. किसी भी विषय पर अच्छी जानकारी के बाद ही इस काम को शुरू किया जा सकता है. इसमें स्टूडेंट प्राइवेट ट्यूशन की भांति पढ़ाई करते हैं. बस, अंतर इतना ही होता है कि स्टूडेंट और ट्यूटर आमने-सामने नहीं होते बल्कि एक-दूसरे से इंटरनेट के माध्यम से जुड़े होते हैं.

इसमें अध्ययन सामग्री और आंकड़ों का आदान-प्रदान कंप्यूटर और इंटरनेट के माध्यम से ही किया जाता है. इस तरह की पढ़ाई मुख्य रूप से मैथ्स, फिजिक्स, केमेस्ट्री, अंग्रेजी, हिन्दी या फिर किसी विदेशी भाषा के लिए की जाती है. इसके अंतर्गत काम करने वाली संस्थाओं को केपीओ यानी नॉलेज प्रोसेसिंग आउटसोर्सिंग कहा जाता है.

योग्यता

वैसे तो टीचिंग के कारोबार में जाने के लिए बीएड, एमएड, पीएचडी के साथ टीईटी, नेट आदि परीक्षा पास करनी होती है लेकिन ऑन लाइन ट्यूटर्स के लिए ज्यादातर कंपनियां मास्टर डिग्रीधारकों को ही प्रमुखता देती हैं. इसके लिए भाषा का अच्छा ज्ञान और विषय पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए. व्यक्तिगत गुण टीचिंग के प्रति पैशन होना जरूरी है. भाषा पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए. जिस भी देश के स्टूडेंट को ऑनलाइन ट्यूटरिंग करना होता है, उन्हें पाठ्यक्रम, उनके सीखने का तरीका और अन्य जानकारी होनी जरूरी है. करेंट सिलेबस से अपने आपको अप-टू-डेट रखना जरूरी है. ऑनलाइन ट्यूटर्स के पास अपना कंप्यूटर, ब्रॉडबैंड कनेक्शन, माइक्रोफोन, हेडफोन, डिजिटल पेन, कंप्यूटर अटैच इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड या शेयर स्क्रीन व वेब कैमरा वीडियो चैट के लिए होना जरूरी है.

रोजगार

ऑनलाइन ट्यूटरिंग को ई-ट्यूटरिंग भी कहा जाता है. इसकी मांग प्रत्येक ट्रेनिंग कंपनियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में होती है जहां पर ऑनलाइन क्लासेज चलाई जाती हैं. इसमें कुछ हद तक पार्टटाइम और कुछ लोग स्थायी रूप से भी काम करते हैं. कुछ कंपनियां घर से भी काम करने की आजादी देती हैं. इसमें समयावधि के लिए कोई भी सीमा नहीं होती है. लोग अपनी सुविधा के अनुसार समय निर्धारित करा सकते हैं. इसमें महिलाओं और रिटार्यड लोगों के लिए अच्छे ऑप्शन हो सकते हैं.

कैसे प्राप्त करें जॉब

इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन ट्यूटोरियल सर्विस सेंटर पर अप्लाई करना पड़ता है. फिर टेलीफोनिक इंटरव्यू और आवश्यकता पड़ने पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा कंडीडेट का चुनाव किया जाता है. ज्यादातर कंपनियां ऐसे ट्यूटर्स हायर करती हैं जो लैंग्वेज स्किल्ड, एक्सेंट एक्सपर्ट और प्रोफेशनल कोर्स में महारथ होते हैं. जो कंपनियां इस तरह के सेंटर चलाती हैं वे सारी जिम्मेदारियां जैसे स्टूडेंट्स, उनका लेटेस्ट सिलेबस, टाइमटेबल और कोर्स का ट्यूटर्स भी वही निर्धारित करती हैं.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा के लिए भी ऑनलाइन ट्यूटर्स की मांग होती है. प्राइवेट कंपनियों के अलावा विभिन्न शिक्षण संस्थानों द्वारा चलाई जा रही ऑनलाइन पढ़ाई के लिए ट्यूटर्स की मांग होती है. अच्छे अनुभव के आधार पर स्वयं का ट्यूटरिंग सेंटर खोला जा सकता है. ऑनलाइन सेमिनार, वर्कशॉप आदि के लिए भी अच्छी-खासी मांग होती है.

इस रोजगार में आमदनी बहुत ज्यादा होती है. घंटे के आधार पर आमदनी तो होती ही है. साथ ही, एक्स्ट्रा वर्क के भी पैसे मिलते हैं. इसके अलावा, मासिक सैलरी पर भी ट्यूटर्स हायर किए जाते हैं.

सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर सुनहरे भविष्य की राह

सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट ऐसे पेशेवर होते हैं जो सॉफ्टवेयर के स्ट्रक्चरल डिजाइन, सिस्टम का कॉमन लेआउट, इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और फ्रेमवर्क को डेवलप करते हैं. ये प्रोफेशनल्स इनफॉर्मेशन सिस्टम में बिजनेस प्रोसेस को समझते हुए आर्किटेक्चर को डिजाइन में रणनीतिक रूप में तैयार करते हैं.

आज की दुनिया में हमारे अस्तित्व का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है सॉफ्टवेयर प्रोग्राम, जो हवाई यातायात के नियंत्रण से लेकर मोबाइल फोन तक में मौजूद रहता है. ऐसी कई संस्थाएं हैं जो आज सॉफ्टवेयर के कारण ही वजूद में हैं. यहां तक की अब पब्लिक फाइनेंस और रिटेल सेक्टर भी सॉफ्टवेयर पर निर्भर हो चुके हैं. इस तरह की कंपनियों के अस्तित्व को बनाये रखने के लिए हमेशा उन्नत और सस्ते सॉफ्टवेयर की जरूरत रहती है. सॉफ्टवेयर प्रोग्राम का आर्किटेक्चर इन सभी बातों पर खासा असर डालता है. यही वजह है कि वर्तमान में करियर के रूप सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर लोगों की खास पसंद बनते जा रहे हैं. सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट ऐसे पेशेवर होते हैं जो सॉफ्टवेयर के स्ट्रक्चरल डिजाइन, सिस्टम का कॉमन लेआउट, इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और फ्रेमवर्क को डेवलप करते हैं. ये प्रोफेशनल्स इनफॉर्मेशन सिस्टम में बिजनेस प्रोसेस को समझते हुए आर्किटेक्चर को डिजाइन में रणनीतिक रूप में तैयार करते हैं.

सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट और सॉफ्टवेयर इंजीनियर में फर्क

सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट और सॉफ्टवेयर इंजीनियर, दोनों प्रोफेशनल्स एक ही क्षेत्र यानी सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग में काम करते हैं. हालांकि वे एक ही क्षेत्र में काम करते हैं फिर भी दोनों की जॉब प्रोफाइल कई मायनों में भिन्न होती है. सॉफ्टवेयर इंजीनियर के कार्य क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न टास्क के लिए डिजाइनिंग, कोडिंग औ रसॉफ्टवेयर के निष्पादन के कार्य होते हैं जबकि सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट सॉफ्टवेयर के संपूर्ण डेवलपमेंट का डिजाइन तैयार करता है लेकिन उनके कार्यक्षेत्र में कोडिंग शामिल नहीं होती. सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट अपने क्लाइंट्स से बात करके उनकी आवश्यकताओं को समझता है वहीं सॉफ्टवेयर इंजीनियर का काम सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर के इंस्ट्रक्शन का पालन करना होता है.

योग्यता - सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट बनने के लिए कैंडीडेट को सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग या कम्प्यूटर साइंस में ग्रेजुएशन के बाद लेटेस्ट सॉफ्टवेयर पैकेज की पढ़ाई करनी होती है. इस क्षेत्र से संबंधित पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स भी करियर को ऊंचाई तक पहुंचाने में सहायता करता है. किसी भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर के लिए जरूरी है कि वह नये सॉफ्टवेयर लैंग्वेजेज से अप-टू-डेट रहे. सफलता के लिए 10+2 की पढ़ाई मान्यता प्राप्त बोर्ड से करें. इसके बाद कम्प्यूटर साइंस या सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन कोर्स कम्पलीट करें. उस सॉफ्टवेयर पैकेज में शामिल हों जिसे पढ़ने और उस क्षेत्र में काम करने में दिलचस्पी रखते हों.

संभावनाएं - सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट के रूप में कैंडीडेट कम्प्यूटर, आईटी और सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री से संबंधित सरकारी या प्राइवेट सेक्टर की किसी भी कंपनी में अवसर पा सकता है. अगर कैंडीडेट के पास सॉफ्टवेयर डिजाइन और एनालिसिस में प्रोफेशनल एक्सपीरियंस है तो और भी बेहतर अवसर मिल सकते हैं. आर्किटेक्ट चाहे तो सॉफ्टवेयर इंस्टीट्यूट्स, आईटी इंडस्ट्री के साथ ही कम्प्यूटर कोचिंग सेंटर में भी रोजगार पा सकते हैं. ऐसे क्षेत्र जिनमें एप्लीकेशंस और मोबाइल डिवाइस भी शामिल हैं, में दिन-ब-दिन बढ़ते सॉफ्टवेयर प्रोग्राम्स की मांग के कारण सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट के सामने ढेरों विकल्प मौजूद हैं. इस क्षेत्र में सफलता के लिए कैंडीडेट में क्रिएटिविटी, कस्टमर सर्विस स्किल, विश्लेषण और समस्याओं को समाधान करने की क्षमता बेहद जरूरी है. कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में उच्च शिक्षा भी अतिरिक्त लाभ देता है. यह ऐसा क्षेत्र है जिसमें वेतन भी उच्च स्तर का मिलता है.

वेतन - एक सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट की सालाना आय औसतन 10,00,000 रुपये तक हो सकती है जबकि सिस्टम सॉफ्टवेयर डेवलपर्स की 12,50,000 रुपये सालाना कमाई हो जाती है. उच्च शिक्षा का विकल्प सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर कम्पिटीटिव क्षेत्र है, लेकिन इसमें उच्च शिक्षा हासिल करने पर कैंडीडेट्स को वरीयता मिलती है. कैंडीडेट चाहे तो खुद को सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के लिए सर्टिफिकेशन प्रोग्राम में नामांकन करके सर्टिफाइड डेवलपर बन सकता है.

व्यक्तिगत योग्यता

सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट वह होता है जो भिन्न-भिन्न सॉफ्टवेयर लैंग्वेज पढ़ता है और सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर का काम करता है. सॉफ्टवेयर लैंग्वेजेज की अच्छी जानकारी के साथ सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट को इंटैलेक्चुअल नॉलेज की भी जरूरत होती है जिससे वह सॉफ्टवेयर डिजाइन बना सके. करियर की शुरुआत करने के बाद भी उन्हें नये लैंग्वेजेज पढ़ते रहने की जरूरत होती है.

संस्थान

पुणे यूनिवर्सिटी, पुणे महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी
मेघालय कालीकट यूनिवर्सिटी, केरल

आइआइएम में दाखिला लेने का सपना देखनेवाले अभ्यर्थियों के लिए समय आ गया है कि वे परीक्षा के लिए कमर कस लें. कैट के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है. रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सावधानी से पूरी कर रणनीति के साथ तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट जाएं.

एक्यूरेसी से ही मिलेगी कैट में कामयाबी



कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) की महत्वपूर्ण तिथियों की घोषणा पहले ही हो चुकी है. कैट 2013 के आयोजन की जिम्मेदारी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर के पास है. पिछले वर्ष हुई दिक्कतों के मद्देनजर इस बार कंप्यूटर बेस्ड पेपर की सुरक्षा और बढ़ा दी गयी है. 5 अगस्त से इसके वाउचर मिलने लगे हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि एक्यूरेसी ही इस परीक्षा में कामयाबी का मूल मंत्र है.

कैट कठिन और प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक है. साल में एक बार होनेवाली इस परीक्षा से विभिन्न आइआइएम के अलावा कई नामी-गिरामी संस्थानों में मैनेजमेंट के कोसरें में दाखिला होता है. एमबीए करने की इच्छा रखनेवाले अभ्यर्थियरें के लिए आइआइएम सर्वोत्तम विकल्प है. यहां दाखिला पाने की पहली सीढ़ी है कैट. इस कंप्यूटर लिखित परीक्षा के बाद बारी आती है ग्रुप डिस्कशन (जीडी) और साक्षात्कार की. आइये जानते हैं कैट 2013 के बारे में कुछ खास तथ्य, साथ ही यह भी कि इसमें कामयाबी के लिए किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए.

योग्यता पर करें गौर

इस परीक्षा के लिए किसी भी स्ट्रीम के विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं. न्यूनतम योग्यता स्नातक है, जिसमें कम से कम 50 प्रतिशत अंक होने चाहिए. स्नातक के अंतिम वर्ष के विद्यार्थी भी आवेदन कर सकते हैं, यदि उनके स्नातक के पहले दोनों वर्ष में कुल 50 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हों.

पेपर का स्वरूप

पेपर मुख्यता दो भागों में बंटा होता है. पहला भाग क्वांटिटेटिव एबिलिटी और डेटा इंटरपेट्रेशन, दूसरा भाग वर्बल एबिलिटी और लॉजिकल रीजनिंग का होता है. हर भाग में 30-30 प्रश्न होते हैं. दोनों भागों को हल करने के लिए 70-70 मिनट का समय दिया जाता है. इसके अलावा 15 मिनट का ट्यूटोरियल भी दिया जाता है. इसे छात्रों को कंप्यूटर और बाकी सिस्टम को समझने में देना चाहिए. विशेषज्ञों के मुताबिक यह समय बहुत कीमती होता है. इस दौरान छात्र खुद को मानसिक रूप से तैयार करें. इसके बाद मुख्य परीक्षा होती है. इस प्रकार, यह परीक्षा कुल दो घंटे 35 मिनट की होती है, जिसमें ट्यूटोरियल का समय शामिल है.

एक भाग की परीक्षा एक बार में होती है. सभी 30 प्रश्न उसी भाग के होते हैं. इसे पूरी तरह खत्म होने के बाद ही अगले सेक्शन की परीक्षा आरंभ होती है. बिना एक भाग पूरा किये दूसरे में नहीं जा सकते और न ही एक बार एक सेक्शन सबमिट करने के बाद उसे दोबारा देख सकते हैं. पूरी परीक्षा के दौरान किसी प्रकार का कोई ब्रेक नहीं मिलता. रफ काम करने, जोड.ने-घटाने या दूसरे कायरें के लिए एक



स्क्रेच पेपर, इरेजर और पेंसिल सेंटर द्वारा दी जाती है. दो घंटे 35 मिनट का समय एग्जामिनेशन रूम में गुजारना अनिवार्य है. कंप्यूटर स्क्रीन पर पूरे समय एक टाइमर चलता है, जो यह बताता है कि परीक्षा खत्म होने में कितना समय रह गया है. इसे ऑन स्क्रीन टाइमर कहते हैं.

कैसे करें तैयारी

कैट अपने अप्रत्याशित स्वभाव के लिए जानी जाती है. बेहतर यह है कि तैयारी के दौरान पिछले वर्षों के पेपर देखें. उनसे अभ्यास करें. पहले से अलग अब कैट पास करने के लिए स्पीड की उतनी जरूरत नहीं है, जितनी एक्यूरेसी की. प्रश्नों की संख्या कम कर दी गयी है, पर जरूरी है कि जो प्रश्न करें वे सही हों. चयन के लिए कम से कम दोनों भागों में से 22-23 उत्तर ठीक होने चाहिए. चयन परसेंटाइल के हिसाब से होता है. इसलिए अभ्यर्थी न सिर्फ अच्छा करें, बल्कि अपने समूह में दूसरों से अच्छे नंबर लाएं. याद रखें कि बहुविकल्पीय प्रश्नों में चार विकल्प दिये होते हैं, जिनमें से एक सही होता है. हर सही उत्तर पर तीन अंक मिलते हैं और गलत उत्तर पर एक अंक कटता है. निगेटिव मार्किंग होने के कारण जो प्रश्न नहीं आएं उन्हें छोड. दें. विशेषज्ञों का कहना है कि परीक्षा पास करने के लिए कांसेप्ट क्लियर होना बहुत जरूरी है, वहीं लॉजिक का भी अपना महत्व है. इस पेपर में गणित का टेस्ट न होकर लॉजिकल टेस्ट होता है. परीक्षा में गौर किया जाता है कि आवेदकों में समस्या सुलझाने की समझ है या नहीं. रीडिंग पर विशेष ध्यान दें. खूब पढे. और अभ्यास करें. अर्थमेटिक, एल्जेब्रा और ज्योमेट्री क्लियर रखें. पुराने कैट के पेपर देखें. ज्यादा से ज्यादा टेस्ट दें. समूह में पढ़ाई करें, ताकि यह जान पाएं कि बाकी उम्मीदवारों के बीच आप कहां खडे. हैं. प्रमुख अंगरेजी, हिंदी अखबारों के संपादकीय पढे.. इंटरनेट से जितना ज्यादा मुमकिन हो सके, अच्छे कंटेंट जुटाएं और उसे पढे.. अपनी तैयारी के लिए फंटलाइन, इंडिया टुडे और बिजनेस वर्ल्ड जैसी मैगजीन की मदद भी ले सकते हैं.

न्यूज इन शॉर्ट

दो एकड़ जमीन पर खेती करने वाले किसान को सम्मान निधि से मिला आर्थिक संबल

रायपुर। खेती-किसानी से परिवार का भरण-पोषण करने वाले किसानों के लिए समय पर मिलने वाली आर्थिक सहायता बड़ा संबल बनती है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को खेती की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है। जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम अमोरा निवासी किसान श्री लोचन प्रसाद कश्यप भी इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। लगभग दो एकड़ कृषि भूमि पर खेती करने वाले लोचन प्रसाद के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिलने वाली राशि खाद, बीज और अन्य कृषि संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में उपयोगी साबित हो रही है।श्री लोचन प्रसाद कश्यप बताते हैं कि उनके पास लगभग दो एकड़ कृषि भूमि है और खेती-किसानी ही उनकी आजीविका का प्रमुख साधन है। खेती के लिए समय पर खाद, बीज और अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करना जरूरी होता है। सीमित कृषि भूमि पर खेती करने वाले किसानों के लिए इन आवश्यकताओं पर होने वाले खर्चों का प्रबंधन करना कई बार चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए मददगार साबित हो रही है।योजना के तहत प्राप्त राशि से लोचन प्रसाद को खेती-किसानी की जरूरतों को पूरा करने में सहयोग मिल रहा है। इससे उन्हें कृषि कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करने में सुविधा होती है। उनके लिए यह सहायता राशि खेती के खर्चों को संभालने और कृषि गतिविधियों को सुचारू रूप से जारी रखने का उपयोगी माध्यम बनी है।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह राशि दो-दो हजार रुपये की तीन समान किस्तों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जाती है। इससे किसानों को कृषि संबंधी आवश्यकताओं और अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए आर्थिक सहयोग प्राप्त होता है।

श्री लोचन प्रसाद कश्यप के लिए भी सम्मान निधि की राशि खेती में उपयोग होने वाली आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करने में सहायक बन रही है। उन्होंने योजना से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया।सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत श्री लोचन प्रसाद कश्यप की यह कहानी दर्शाती है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से मिलने वाली आर्थिक सहायता छोटे किसानों के लिए उपयोगी साबित हो रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को खेती-किसानी के जरूरी खर्चों को पूरा करने में सहयोग मिल रहा है, जिससे उनकी आजीविका को आर्थिक संबल प्राप्त हो रहा है।

एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन 16 अक्टूबर को

उत्तर बस्तर कांकेर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोड़ेजुंगा कांकेर में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन 16 अक्टूबर को सुबह 11 से अपरान्ह 03 बजे तक किया जाएगा, जिसमें निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा 340 रिक्तियों के आधार पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी श्री बी.आर. ठाकुर ने बताया कि उक्त प्लेसमेंट कैम्प में सुरक्षा जवान के 250 पद, सुपरवाईजर के 50 पद, बीमा सखी के 10 और फील्ड ऑफिसर के 30 पदों पर भर्ती की जाएगी।

मिनीमाता महतारी जतन योजना से प्रिया कश्यप को मिली 20 हजार रुपये की सहायता

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा श्रमिक परिवारों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं से जरूरतमंद हितग्राहियों को लाभ मिल रहा है। श्रम विभाग की मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत विकासखंड नवागढ़ अंतर्गत ग्राम सेमरा निवासी श्रीमती प्रिया कश्यप को 20 हजार रुपये की एकमुश्त सहायता राशि प्राप्त हुई है। प्रसव के बाद मां और नवजात शिशु की देखभाल के साथ पौष्टिक आहार, दवाइयों और अन्य जरूरी आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देना होता है। इस दौरान परिवार की जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का गंभीरता से निराकरण करें: मुख्य सचिव विकासशील

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का गंभीरता से निराकरण करें- मुख्य सचिव श्री विकासशील

समस्याओं का भौतिक सत्यापन कर जवाबदेही के साथ करें कार्रवाई

संवाददाता ➤ रायपुर



मुख्य सचिव श्री विकासशील ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण को प्राथमिकता देते हुए सभी विभागों को जिम्मेदारी के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य स्तरीय उच्चाधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में अब तक राज्य में लगभग दो लाख शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। उन्होंने सभी विभागों को शिकायतों की गंभीरता से समीक्षा करने तथा समस्याओं का वास्तविक स्वरूप जानने के लिए आवश्यकतानुसार भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि संबंधित नागरिकों की समस्याओं का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग करने और निराकरण की गुणवत्ता में सुधार लाने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

'धान खरीदी नीति और जल जीवन मिशन की तैयारियों की समीक्षा'

बैठक में आगामी धान खरीदी के लिए नीति तैयार करने तथा जल जीवन मिशन से संबंधित नीति के शेष बिंदुओं को समय पर पूरा करने के संबंध में चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को सभी आवश्यक बिंदुओं की समीक्षा कर कमियों को दूर करने तथा कार्ययोजना को व्यवस्थित रूप से अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने जल उपयोगिता से जुड़े विषयों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे की समीक्षा करने तथा संबंधित विषयों पर आवश्यक अनुमति, टीएसपी एक्ट तथा प्रावधानों पर भी चर्चा की गई।

सेवा संकल्प अभियानः सेवा की कहानी

श्रमिक परिवार की बेटी निकिता के सपनों को मिला संबल, नोनी सशक्तिकरण योजना से पढ़ाई की राह हुई आसान

20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता से पूरी हो रहीं शैक्षणिक जरूरतें, उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ रहे कदम

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार, बेटियों की शिक्षा और आत्मनिर्भरता का माध्यम बन रही योजना

संवाददाता ➤ रायपुर

आर्थिक संसाधनों की कमी किसी बेटी की शिक्षा और आगे बढ़ने के सपनों में बाधा न बने, इसी उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन की मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना श्रमिक परिवारों की बेटियों को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना के माध्यम से मिलने वाली सहायता राशि बेटियों की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने और उन्हें आत्मनिर्भर भविष्य की ओर आगे बढ़ने में मददगार साबित हो रही है। जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम धुरकोट निवासी निकिता कहरा भी इस योजना से लाभान्वित हुई हैं। उन्हें श्रम विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है, जिससे उनकी आगे की पढ़ाई को सहारा मिला है।

शिक्षा के सपनों को मिला आर्थिक सहयोग

निकिता कहरा के लिए योजना के तहत मिली 20 हजार रुपये की सहायता राशि पढ़ाई जारी रखने और शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। सीमित आर्थिक संसाधनों के बीच शिक्षा से जुड़े खर्चों की व्यवस्था करना श्रमिक परिवारों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में शासन से प्राप्त यह सहायता निकिता को अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और भविष्य के लिए बेहतर तैयारी करने में सहयोग प्रदान कर रही है।

पीएमजीएसवाई की बदहाल सड़कों पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े सख्त

पीएमजीएसवाई की बदहाल सड़कों पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े सख्त

गारंटी अवधि में शामिल सड़कों का निरीक्षण कर शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

संवाददाता ➤ रायपुर



सूरजपुर जिला के भटगांव विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत निर्मित सड़कों की खराब स्थिति को लेकर मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कड़ा रुख अपनाया है। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सड़कों की बदहाली से आवागमन में हो रही परेशानी की जानकारी दी थी। इस पर संज्ञान लेते हुए मंत्री ने कलेक्टर, सूरजपुर को पत्र लिखकर संबंधित सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने पत्र में उल्लेख किया है कि नई बनी सड़कों की खराब हालत के कारण ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विभाग की ओर से प्रस्तुत सूची में शामिल सड़कों का निरीक्षण कर उनकी वास्तविक स्थिति का आकलन करने को कहा है। साथ ही, गारंटी अवधि के अंतर्गत आने वाली सड़कों की मरम्मत संबंधित ठेकेदारों से अनुबंध की शर्तों के अनुसार कराने के निर्देश दिए हैं।

श्रीमती राजवाड़े ने मरम्मत कार्य शीघ्र शुरू कराने और उसकी गुणवत्ता पर निगरानी रखने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि कार्य में देरी या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। कलेक्टर को की गई कार्रवाई से अवगत कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी सड़कों की उपलब्धता लोगों के रोजमर्रा के आवागमन और जरूरी सेवाओं तक पहुंच के लिए महत्वपूर्ण है। सरकारी योजनाओं के तहत किए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और रखरखाव में जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। सड़कों की मरम्मत में लापरवाही को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने राज्य खाद्य आयोग की महत्वपूर्ण पहल

राज्य खाद्य आयोग की समीक्षा बैठक में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर हुई विस्तृत चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री संदीप शर्मा की अध्यक्षता में 12 अक्टूबर को नवा रायपुर स्थित आयोग के कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने तथा विभिन्न पोषण योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में पीडीएस, पूरक पोषण आहार योजना, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना तथा शासकीय आश्रमों एवं छात्रावासों में रियायती दर पर प्रदाय खाद्यान्न योजना की वर्तमान स्थिति और निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की गई। इस दौरान पात्र हितग्राहियों तक खाद्यान्न एवं पोषण योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में भोपाल में आयोजित राज्य खाद्य आयोग के राष्ट्रीय सेमिनार में 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियमकृप्रगति, चुनौतियां और भविष्य की दिशा' विषय पर प्रस्तुत सुझावों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस सेमिनार में नीति आयोग, भारत सरकार, राष्ट्रीय पोषण संस्थान हैदराबाद, यूनिसेफ तथा भारतीय ग्रामीण प्रबंधन संस्थान गुजरात के प्रतिनिधियों द्वारा खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को बेहतर बनाने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए थे।

मातृत्व के अनमोल पलों में प्रिया को मिला आर्थिक संबल, मिनीमाता महतारी जतन योजना बनी सहारा

20 हजार रुपये की सहायता से मां और नवजात शिशु के पोषण एवं देखभाल की राह हुई आसान

संवाददाता ➤ रायपुर

मां बनना किसी भी महिला के जीवन का अनमोल अनुभव होता है। इस दौरान मां और नवजात शिशु के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और देखभाल के लिए परिवार को अतिरिक्त आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। ऐसे महत्वपूर्ण समय में छत्तीसगढ़ शासन की मिनीमाता महतारी जतन योजना श्रमिक परिवारों की महिलाओं के लिए मददगार साबित हो रही है। जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम सेमरा निवासी श्रीमती प्रिया कश्यप को भी इस योजना के तहत 20 हजार रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। इस राशि से उन्हें प्रसव के बाद अपने स्वास्थ्य, पोषण और नवजात शिशु की देखभाल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिली है।

मां और नवजात शिशु की देखभाल में मिली आर्थिक राहत

श्रीमती प्रिया कश्यप के लिए मातृत्व के महत्वपूर्ण समय में मिनीमाता महतारी जतन योजना आर्थिक संबल बनकर आई है। प्रसव के बाद मां के स्वास्थ्य की देखभाल के साथ नवजात शिशु के पोषण और आवश्यक जरूरतों पर विशेष ध्यान देना होता है। इस दौरान पौष्टिक आहार, दवाइयों और अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करने से परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं।ऐसे समय में योजना के तहत प्राप्त 20 हजार रुपये की सहायता राशि प्रिया और उनके परिवार के लिए उपयोगी साबित हुई। इस राशि से उन्हें प्रसव के बाद की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग मिला, जिससे वे अपने स्वास्थ्य और नवजात शिशु की बेहतर देखभाल पर ध्यान दे सकीं। आर्थिक सहायता मिलने से मातृत्व के इस महत्वपूर्ण समय में परिवार को राहत मिली।

छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग द्वारा संचालित मिनीमाता महतारी जतन योजना का उद्देश्य पात्र महिला निर्माण श्रमिकों को मातृत्व के दौरान आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को 20 हजार रुपये की एकमुश्त सहायता प्रदान की जाती है, ताकि प्रसव के बाद मां और नवजात शिशु के पोषण, स्वास्थ्य एवं देखभाल से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग मिल सके।श्रीमती प्रिया कश्यप ने योजना के तहत आर्थिक सहायता मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। उनके लिए यह सहायता राशि मातृत्व के दौरान आवश्यक जरूरतों को पूरा करने और नवजात शिशु की देखभाल में महत्वपूर्ण सहयोग बनी है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत श्रीमती प्रिया कश्यप की यह कहानी दर्शाती है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से मिलने वाली समयबद्ध आर्थिक सहायता जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। मिनीमाता महतारी जतन योजना के माध्यम से श्रमिक परिवारों की महिलाओं को मातृत्व के महत्वपूर्ण समय में आर्थिक संबल मिल रहा है, जिससे मां और नवजात शिशु के बेहतर पोषण, स्वास्थ्य और देखभाल की दिशा में सहयोग प्राप्त हो रहा है।

पक्के घर का सपना हुआ साकार, प्रधानमंत्री आवास योजना से जया बाई के जीवन में आई

संवाददाता ➤ रायपुर



हर परिवार का सपना होता है कि उसके सिर पर अपनी पक्की छत हो, जहां वह सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सके। आर्थिक परिस्थितियों के कारण कई परिवारों के लिए यह सपना पूरा करना आसान नहीं होता, लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ऐसे जरूरतमंद परिवारों के सपनों को साकार करने का माध्यम बन रही है। जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कटघरी निवासी श्रीमती जया बाई के जीवन में भी इस योजना से खुशियों का नया अध्याय जुड़ा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत उन्हें अपना पक्का मकान मिला है, जिससे परिवार को सुरक्षित आश्रय और बेहतर रहन-सहन की सुविधा प्राप्त हुई है।

पक्की छत मिलने से दूर हुई मौसम की चिंता, परिवार को मिला सुरक्षित आश्रय

श्रीमती जया बाई के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित पक्का मकान केवल रहने का स्थान नहीं, बल्कि परिवार की सुरक्षा, सम्मान और सुकून का आधार बन गया है। अब उनका परिवार अपने पक्के घर में अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण में जीवन बिता रहा है। पक्का आवास मिलने से बारिश और मौसम की अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों से सुरक्षा मिली है। साथ ही परिवार के रहन-सहन में भी सकारात्मक बदलाव आया है।

अपने घर का सपना पूरा होने से जया बाई और उनके परिवार को भविष्य के प्रति नया भरोसा मिला है। पक्की छत के नीचे परिवार के साथ सुरक्षित जीवन बिताने की खुशी उनके लिए विशेष महत्व रखती है। यह आवास उनके वर्तमान जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने के साथ बेहतर भविष्य की उम्मीदों को भी मजबूत कर रहा है।

पक्का आवास बना सम्मानजनक जीवन और बेहतर भविष्य का आधार

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का उद्देश्य पात्र ग्रामीण परिवारों को बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्का आवास उपलब्ध कराना है। योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित छत मिलने के साथ उनके जीवन स्तर में सुधार लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

श्रीमती जया बाई ने पक्का आवास मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। उनके लिए शासन से मिला यह आवास वर्षों से संजोए अपने घर के सपने के साकार होने जैसा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के पात्र ग्रामीण परिवारों तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत श्रीमती जया बाई की यह कहानी दर्शाती है कि पक्का आवास मिलने से जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सुरक्षा, सुविधा और सम्मान का नया आधार तैयार हो रहा है। अपना घर होने का सुख परिवारों को बेहतर जीवन और सुरक्षित भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रहा है।

श्रमिक परिवार की बेटी निकिता के सपनों को मिला संबल

नोनी सशक्तिकरण योजना से पढ़ाई की राह हुई आसान

संवाददाता ➤ रायपुर



आर्थिक संसाधनों की कमी किसी बेटी की शिक्षा और आगे बढ़ने के सपनों में बाधा न बने, इसी उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन की मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना श्रमिक परिवारों की बेटियों को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना के माध्यम से मिलने वाली सहायता राशि बेटियों की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने और उन्हें आत्मनिर्भर भविष्य की ओर आगे बढ़ने में मददगार साबित हो रही है। जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम धुरकोट निवासी निकिता कहरा भी इस योजना से लाभान्वित हुई हैं। उन्हें श्रम विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है, जिससे उनकी आगे की पढ़ाई को सहारा मिला है।निकिता कहरा के लिए योजना के तहत मिली 20 हजार रुपये की सहायता राशि पढ़ाई जारी रखने और शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। सीमित आर्थिक संसाधनों के बीच शिक्षा से जुड़े खर्चों की व्यवस्था करना श्रमिक परिवारों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।